मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 45 ■ अंक : 220 ■ बुधवार 26 नवंबर 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play | Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel | Subscribe

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

सेलिना जेटली ने पति पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाया

वोटर लिस्ट में भारी गड़बड़ी !

फिर गरमाई पॉलिटिक्स | भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने लगाया आरोप, चुनाव रद्द करने की मांग

अंबरनाथ. अंबरनाथ म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव में वोटर लिस्ट में गड़बड़ी को लेकर अब सत्ताधारी BJP ने भी ज़ोरदार आवाज़ उठाई है। खासकर जब से BJP के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने खुद पहल करके वोटर लिस्ट में गड़बड़ियों पर अपना गुस्सा ज़ाहिर किया है, यह मुद्दा और भी गंभीर हो गया है। उन्होंने इलेक्शन अधिकारियों को आड़े हाथों लेते हुए सीधा जवाब देने और चुनाव कैंसिल करने की मांग की है।

खास लोगों की डिमांग पर बनाई गईं वोटर लिस्ट

चव्हाण ने सीधे इलेक्शन अधिकारियों पर आरोप लगाया और कहा कि वोटर लिस्ट लापरवाही से और जानबूझकर गलत तरीके से तैयार की जा रही है। उन्होंने कहा, कि उल्हासनगर के वोटरों के नाम अंबरनाथ की लिस्ट में डाले जा रहे हैं। नाम उन जगहों पर डाले जा रहे हैं जो खास लोग उन्हें बताते हैं। हमारा साफ़ आरोप है कि इलेक्शन लिस्ट अधिकारियों के बगल में बैठकर तैयार की जा रही है।

चुनावों के बैकग्राउंड में BJP के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने रविवार को अंबरनाथ शहर का दौरा किया। उस समय, कैंपेन की स्ट्रैटेजी बनाने से पहले ही, उम्मीदवारों और पदाधिकारियों ने वोटर लिस्ट में गड़बड़ी को लेकर अपनी शिकायतें उनके सामने रखीं। उसके बाद, रवींद्र चव्हाण सोमवार को अंबरनाथ नगर पालिका हेडक्वार्टर गए और चुनाव अधिकारियों से मिले। इस समय, उन्होंने उम्मीदवारों और पदाधिकारियों की अनसुलझी शिकायतें पढ़कर सुनाईं। उसके बाद, चव्हाण ने मीडिया से बातचीत करते हुए प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए।

उन्होंने चेतावनी दी कि यह स्थिति पूरे इलेक्शन प्रोसेस पर शक पैदा कर रही है। वोटर लिस्ट में भारी गड़बड़ी का हवाला देते हुए चव्हाण ने सीधे तौर पर चुनाव अधिकारियों से पूरा चुनाव रद्द करने की मांग की है।

उन्होंने अप्रत्यक्ष लेकिन कड़ी चेतावनी भी दी है कि दोषी अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। चुनाव से ठीक पहले प्रदेश अध्यक्ष स्तर से इतनी कड़ी प्रतिक्रिया के बाद प्रशासन के सामने एक नया संकट खड़ा हो गया है।

रवींद्र चव्हाण ने 'शिंदे सेना' को अधिकारियों के ज़रिए बनाया निशाना

वोटिंग से एक हफ़्ते पहले, शहर में चर्चा है कि चव्हाण के आरोपों की वजह से शिंदे सेना को इनडायरेक्टली निशाना बनाया गया है। ठाणे ज़िले में शिंदे की शिवसेना और BJP के बीच झगड़े की खबरें काफ़ी तेज़ी से आ रही हैं। दोनों पार्टियों की इस तोड़फोड़ का असर काफ़ी बड़ा हुआ। ठाणे ज़िले की दो नगर परिषद अंबरनाथ और कुलगांव बदलापुर के लिए मंगलवार को वोटिंग होगी। अंबरनाथ नगर पालिका में शिंदे की शिवसेना की मज़बूत पकड़ है, और MP श्रीकांत शिंदे यहां काफ़ी एक्टिव रहते हैं।

फायरिंग मामले में 3 गिरफ्तार

- इमलीपाड़ा में 21 नवंबर को हुई थी फायरिंग
- मोहित हिंदुजा, धीरज परवानी व कृष्णा राजपूत की भिवंडी से गिरफ्तारी
- आरोपी के पास से पिस्टल व कारतूस बरामद

उल्हासनगर. सेंट्रल पुलिस स्टेशन क्षेत्र के उल्हासनगर-3 स्थित फाल्वर लाईन के पास इमलीपाड़ा में हुई जानलेवा फायरिंग का मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह कार्रवाई CCTV एनालिसिस, टेक्निकल जांच और भिवंडी तक पीछा करने के बाद की गई। ज्ञात हो कि 21 नवंबर की रात करीब 11.30 बजे पुराने विवाद को लेकर मोहित हिंदुजा और उसके साथियों ने इमलीपाड़ा में शिकायतकर्ता सचिन उर्फ बाउजी करोतिया पर पिस्टल से दो राउंड फायर कर हत्या की कोशिश की थी। लेकिन दोनों गोलियां निशाना चूक गई। और बाउजी हमले में पूरी तरह बच गया। पुलिस उपायुक्त सचिन गोर और API अमोल कोली के नेतृत्व में क्राइम स्क्वॉड ने CCTV जांच शुरू की। इससे आरोपी मोहित हिंदुजा, धीरज परवानी और कृष्णा राजपूत की पहचान हुई।

टेक्निकल जानकारी के आधार पर भिवंडी में जाल बिछाकर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। मुख्य आरोपी मोहित के पास से वारदात में इस्तेमाल पिस्टल और मौके से दो जिंदा राउंड बरामद किए गए हैं। कोर्ट ने आरोपी को पुलिस कस्टडी में भेज दिया है और आगे की जांच API विशाल चिटनिस कर रहे हैं।

कल्याण में 12 दिसंबर को नेशनल लोक अदालत

कल्याण. कल्याण में 12 दिसंबर को नेशनल लोक अदालत लगाई गई है। इस लोक अदालत में गाड़ियों पर ई-चालान से लगे जुर्माने के मामलों को सुलझाया जाएगा।

डोंबिवली ट्रैफिक ब्रांच के असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर श्रीराम पाटिल ने उन गाड़ी चलाने वालों से अपील की है जो गाड़ियों पर ई-चालान से मिले जुर्माने की रकम कम करके सरकार को देना चाहते हैं, वे 5 दिसंबर को डोंबिवली सिटी ट्रैफिक कंट्रोल ब्रांच में संपर्क करें।

भाजपा जिला कार्यकारिणी की घोषणा

- वधरिया की टीम में युवाओं को मौका

उल्हासनगर। भारतीय जनता पार्टी उल्हासनगर जिला की नई कार्यकारिणी कमेटी की घोषणा सोमवार को टाऊन हॉल में उत्साहपूर्ण माहौल में हुई। आगामी चुनाव को देखते हुए जिलाध्यक्ष राजेश वधरिया की टीम में युवाओं को मौका दिया गया है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश वधरिया ने नव-घोषित पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आने वाले चुनावों में पार्टी पूरी मजबूती व एकता के साथ मैदान में उतरेगी। उन्होंने कहा कि संगठन और कार्यकर्ताओं की शक्ति ही भाजपा की असली पहचान है और नए पदाधिकारियों की टीम संगठन को और अधिक मजबूत करेगी। कार्यक्रम में विधायक आयलानी, विधायक सुलभा ताई गायकवाड, प्रदीप रामचंदानी, लाल पंजाबी, नरेंद्र राजानी, टोनी सीरवानी सहित कई भाजपा पदाधिकारी। भाजपा जिला नेतृत्व ने सभी नव-घोषित पदाधिकारियों को आगामी चुनाव के लिए तैयार रहने को कहा।

ठाणे के कुछ इलाकों में नहीं होगी जलापूर्ति

ठाणे. ठाणे मनपा के वागले प्रभाग समिति और लोकमान्य सावरकर नगर प्रभाग समिति के तहत इंदिरानगर पंपिंग स्टेशन में पानी सप्लाई करने के लिए हाल ही में 1168 मिमी व्यास की पानी की पाइप बिछाई गई है. इस पानी की पाइप को चालू करने के लिए, इंदिरानगर नाका पर 750 मिमी व्यास की पानी की पाइप पर एक वाल्व लगाना ज़रूरी है. इस वजह से, बुधवार, सुबह 9.00 बजे से गुरुवार, को सुबह 9.00 बजे तक कुल 24 घंटे के लिए पानी की सप्लाई बंद रहेगी. यहां से होने वाली पानी की सप्लाई 24 घंटे के लिए पूरी तरह से बंद रहेगी.

समाज को जाति से मत बांटो : सुप्रीम कोर्ट

OBC आरक्षण को लेकर सुनवाई शुक्रवार के लिए टली

मुंबई. महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों में OBC आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई. अदालत ने साफ कहा कि अभी कोई अंतिम राय नहीं दे रही लेकिन यदि चुनाव ऐसे तरीके से करवाए गए जो संविधान के खिलाफ हों तो उन्हें बाद में रद्द भी किया जा सकता है.

सुनवाई के दौरान CJI ने पूछा कि किन स्थानीय निकायों में चुनाव प्रक्रिया शुरू हो चुकी है. सरकार की ओर से बताया गया कि 246 नगर परिषदों और 42 नगर पंचायतों के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है जबकि महानगर निगम, जिला परिषद और पंचायत समितियों में चुनावी प्रक्रिया अभी शुरू नहीं हुई है. अदालत ने सरकार से कहा कि वे पूरा होमवर्क करके आएं, 'आज कोई राय नहीं दे रहे. शुक्रवार को देखेंगे.'

याचिकाकर्ता ने दलील दी कि केंद्र का पक्ष पहले भी समय मांग चुका है और 5-जजों की बेंच पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि आरक्षण 50% सीमा से ऊपर नहीं जा सकता. इस पर CJI ने कहा कि अगर चुनाव हुए और हमें लगा कि प्रक्रिया संवैधानिक रूप से सही नहीं है तो अदालत उन्हें सेट-एसाइड कर सकती है. जो भी अभी हो रहा है, सब इस कोर्ट के आदेशों के अधीन रहेगा. सुनवाई शुक्रवार तक टाल दी गई है.

अहम टिप्पणी

वरिष्ठ वकील ने कहा कि एक पूर्व फैसले में 'प्रतिनिधित्व के अनुपात' के मुताबिक आरक्षण की बात है और दूसरे फैसले में कहा गया है कि 50% से ज्यादा नहीं जा सकता. 'अगर किसी इलाके में 99% आबादी जनजातीय है तो क्या किया जाए?'

उम्मीदवार रिजेक्ट होने के बाद अपक्ष कैंडिडेट सरवदे को भाजपा का समर्थन

अंबरनाथ. अंबरनाथ म्युनिसिपल इलेक्शन में BJP ने उन जगहों पर अपक्ष उम्मीदवारों पर डोरे डालना शुरू कर दिया है, जहां सही समय पर एप्लीकेशन रिजेक्ट हो गए थे। BJP के प्रदेश महासचिव गुलाबराव करंजुले पाटिल की मौजूदगी में वार्ड नंबर 7 से BJP कैंडिडेट रोहिणी सरवदे को BJP स्पॉन्सर्ड कैंडिडेट के तौर पर मैदान में उतारा गया है। वार्ड नंबर 7 में BJP के ऑफिशियल कैंडिडेट्स प्रवीण गायकवाड़ और मनीषा आढाव के उम्मीदवारी आवेदन रिजेक्ट हो गए थे। कैंडिडेट्स के एप्लीकेशन रिजेक्ट होने के बाद, BJP ने वार्ड में अपनी ताकत बढ़ाने के लिए इंडिपेंडेंट कैंडिडेट रोहिणी सरवदे को BJP पार्टी में शामिल किया और BJP स्पॉन्सर्ड कैंडिडेट के तौर पर उन्हें सपोर्ट करने का ऐलान किया।

चुनाव के लिए BJP की नई स्ट्रैटेजी

ऐसा देखा जा रहा है कि BJP दूसरे वार्ड्स में भी यही स्ट्रैटेजी अपनाकर इंडिपेंडेंट कैंडिडेट्स को अपनी तरफ करने की कोशिश कर रही है। म्युनिसिपल इलेक्शन के लिए BJP द्वारा नॉमिनेट किए गए कैंडिडेट्स में से 5 कैंडिडेट्स के एप्लीकेशन वेरिफिकेशन के दौरान रिजेक्ट हो गए थे।

हाजीमलंग इलाके में नशे की 174 बोतलें जब्त

उल्हासनगर. हिललाइन पुलिस ने हाजीमलंग रोड पर काकड़वाल गांव में एक युवक से अलग-अलग कंपनियों की 174 नशे की बोतलें ज़ब्त की हैं। इनकी मार्केट वैल्यू 46,000 रुपये है। पुलिस ने युवक को ड्रग्स के जखीरे के साथ गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ हिललाइन थाने में केस दर्ज किया है। युवक का नाम जितेंद्र उर्फ जीतू ज्ञानदेव पावशे (31) है। वह बेरोजगार है। हिललाइन थाने के कांस्टेबल संदीप चव्हाण ने इस बारे में थाने में केस दर्ज कराया है। यह जखीरा मंगलवार रात हाजीमलंग रोड पर नेवाली नाका पर ओमसाई चॉल इलाके में ज़ब्त किया गया।

नेवाली नाका इलाके में पिछले कई सालों से ड्रग्स की तस्करी चल रही है। पुलिस लगातार इस इलाके में छापेमारी कर ड्रग्स लेने वालों और तस्करों को पकड़ती है। इस लगातार ऑपरेशन के बावजूद तस्कर पुलिस का कोई साथ नहीं दे रहे हैं। इन ड्रग्स के प्रोडक्ट अहमदाबाद, देहरादून, उत्तराखंड, चंडीगढ़ में ज़ब्त किए गए हैं। डाइल्यूटेड ड्रग्स से नींद और नशा होता है। आरोपी जीतू पावशे ड्रग्स खरीदने आने वालों को ये ड्रग्स बेचता था।

कॉन्स्टेबल संदीप चव्हाण ने अपनी शिकायत में कहा है कि हिल लाइन पुलिस को सीक्रेट जानकारी मिली थी कि एक व्यक्ति नेवाली नाका इलाके की एक चॉल में चुपके से नींद और नशा करने वाली ड्रग्स बेच रहा है। पुलिस ने पहले इस जानकारी को कन्फर्म किया। उस समय उन्हें पता चला कि वहां स्टॉक है। जिसके बाद पुलिस की टीम ने कार्रवाई की.

अंबरनाथ के 13 उम्मीदवारों ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

- न्यायालय ने निर्णय दिया
- अब 260 उम्मीदवार एवं नगराध्यक्ष के 8 उम्मीदवार मैदान में

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद चुनाव में 18 नवंबर को नाम निर्देशन पत्र छाननी में चुनाव निर्णय अधिकारी द्वारा दिए गए आदेश के विरुद्ध 13 उम्मीदवारों ने अति. जिला व सत्र न्यायाधीश कल्याण के न्यायालय में अपना दावा न्यायालय सुनवाई से पूर्व पीछे लेने के कारण उर्वरित 12 प्रकरण में दोनों पक्ष के वकीलों ने युक्तिवाद किया. मा. न्यायालय ने 12 प्रकरण में चुनाव अधिकारी ने छाननी दरम्यान दिए गए निर्णय को योग्य ठहराया है.

उन उम्मीदवारों के नाम इस प्रकार हैं. सोनाली नितिन इंकर 7अ, रोहन कृष्णा रसाल पाटिल 2ब, गणेश यशवंत लाटे 6 ब, शीतल दीपक पवार 4ब, राजेंद्र शिवलिंग वालेकर 8ब, नगराध्यक्ष की उम्मीदवार राजेंद्र वालेकर, स्वप्ना शशांक गायकवाड 4अ, निखिल अरविंद वालेकर 4क, मनिषा संदीप आढाव 7अ, मनिषा सचिन इनकर 6 अ, शाहीदा नासिर कुंजाली 3ब, मनिषा तेजस सर्वदे 7अ, राजेंद्र शिवलिंग वालेकर 8ब, इन 12 उम्मीदवारों के लिए चुनाव निर्णय अधिकारी ने दिया गया निर्णय बरकरार रहेगा. गणेश कोंडिबा घोणे का 8ब प्रभाग का वैध ठहराया गया नाम निर्देशन न्यायालय ने अवैध ठहराया है. अब अंबरनाथ नगर परिषद चुनाव में 260 सदस्य पद के लिए उम्मीदवार रह गए हैं, तो नगराध्यक्ष पद के लिए 8 उम्मीदवार मैदान में रह गए हैं. सभी 13 प्रकरण न्यायालय ने नतीजे घोषित कर दिया है. ऐसी जानकारी नगर परिषद ने प्रेस विज्ञप्ति द्वारा पत्रकारों को दी है.

बदलापुर में 21 सीटों पर महायुति के उम्मीदवारों में भिड़ंत

- शिवसेना, BJP-NCP गठबंधन के उम्मीदवार आमने-सामने

बदलापुर. कुलगांव-बदलापुर नगर परिषद चुनाव के लिए नाम वापस लेने की आखिरी तारीख के बाद, 141 उम्मीदवार मैदान में हैं। इनमें से कुछ राजनीतिक दिग्गजों की साख के साथ चुनाव लड़ेंगे। 21 सीटों पर शिंदे की शिवसेना और BJP-NCP (अजीत पवार ग्रुप) के बीच सीधा मुकाबला होगा। इसके अलावा, नगराध्यक्ष पद के लिए शिंदे की शिवसेना, BJP, शिवसेना (ठाकरे ग्रुप), आम आदमी पार्टी और निर्दलीय उम्मीदवार भी मैदान में हैं, और इन पर सबका ध्यान है।

कुलगांव-बदलापुर नगर परिषद के आम चुनाव के लिए 215 उम्मीदवारों ने 230 एप्लीकेशन दी थीं। इनमें से 52 एप्लीकेशन स्क्रूटनी में खारिज हो गई हैं। जबकि 22 उम्मीदवारों ने नाम वापस ले लिए हैं। इसलिए यह साफ़ हो गया है कि अब 141 उम्मीदवारों के बीच मुकाबला होगा। इसमें शिवसेना शिंदे 49, BJP 40, NCP 8, कांग्रेस 3, बहुजन मुक्ति पार्टी 5, BSP 2, वंचित बहुजन अघाड़ी 1, निर्दलीय 4, शिवसेना ठाकरे 21, राष्ट्रवादी (शरद पवार) 4, आम आदमी पार्टी 1, वंचित बहुजन समाज 1, राष्ट्रीय समाज पार्टी 2 वगैरह शामिल हैं। इस चुनाव में शिंदे शिवसेना महायुति में शामिल हुए बिना अकेले ही यह चुनाव लड़ रहे हैं। हालांकि, महायुति में BJP, NCP और RPI ने गठबंधन किया है। पिछले चुनाव में शिवसेना पहले और BJP दूसरे नंबर की पार्टी थी। इसलिए, कुलगांव-बदलापुर नगर परिषद के 24 वार्डों की 49 सीटों में से 21 पर शिवसेना और BJP-NCP-RPI गठबंधन के बीच सीधी लड़ाई पर सबका ध्यान गया है। -

वार्ड 10-B में सबसे ज़्यादा उम्मीदवार

वार्ड नंबर 10 B में सबसे ज़्यादा 8 उम्मीदवार हैं, जिसमें शिवसेना और BJP के साथ-साथ NCP (शरद पवार गुट), शिवसेना ठाकरे गुट, आम आदमी पार्टी, कांग्रेस और दो इंडिपेंडेंट उम्मीदवार भी मैदान में हैं।

हालांकि इस चुनाव में नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट), शिवसेना (ठाकरे गुट), कांग्रेस वगैरह की महाविकास अघाड़ी है, लेकिन इस वार्ड में महाविकास अघाड़ी के सहयोगी दलों के बीच फ्रेंडली फाइट देखने को मिल रही है।

निर्दलीय प्रत्याशी ने शिवसेना को दिया समर्थन

- पूर्व सभापति लालमन यादव ने शिवसेना में किया प्रवेश

अंबरनाथ. अंबरनाथ के पूर्व नगरसेवक एवं नगर परिषद चुनाव 2025 के निर्दलीय उम्मीदवार लालमन यादव ने शिवसेना को समर्थन दिया है और रविवार को अपने कार्यकर्ताओं के साथ शिवसेना में प्रवेश किया है.

प्रभाग क्र. 5 बुवापाड़ा, सर्वोदय नगर से लालमन यादव ने नामांकन दाखिल किया था. उन्होंने शिवसेना के उम्मीदवार किरण प्रमोद कुमार चौबे को अपना समर्थन घोषित किया है. लालमन यादव अंबरनाथ नगर परिषद के पूर्व जलापूर्ति विभाग के सभापति रह चुके हैं. शिवसेना उत्तर भारतीय शहराध्यक्ष प्रमोद कुमार चौबे एवं शहराध्यक्ष अरविंद वालेकर ने उनका स्वागत करते हुए कहा है कि लालमन यादव पुराने शिवसैनिक हैं. उनके शिवसेना में प्रवेश से एवं शिवसेना को समर्थन देने से वार्ड क्र. 5 में शिवसेना के दोनों उम्मीदवारों को बल मिलेगा. वालेकर ने पत्रकारों को बताया कि लालमन यादव को ये मालूम है कि शहर में शिवसेना ही शहर का विकास कर रही है. इसलिए उन्होंने शिवसेना को समर्थन दिया है, तो दूसरी ओर यादव ने कहा है कि वह कुछ दिनों के लिए भटक गए थे. अब वह सही रास्ते पर आ गए हैं. उन्होंने मनिषा वालेकर को नगराध्यक्ष एवं वार्ड क्र. 5 ब से किरण चौबे को वोट देकर विजयी करने की अपील की है.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. - वाल्मीकि

उल्लास विकास संपादकीय

शानदार अभिनेता, जानदार इंसान

धर्मेंद्र फिल्मी दुनिया के ऐसे शानदार अभिनेताओं में शुमार किए जाते रहे, जिनके चाहने वाले हिंदी पट्टी से लेकर देश की सीमाओं के पार सिनेमा के आम दर्शकों और मशहूर हस्तियां तक रहे हैं। जाहिर है, धर्मेंद्र के जाने की खबर से हर तबके के सिनेमा प्रेमियों को गहरा धक्का लगा है। हालांकि हिंदी सिनेमा को अपने लंबे दौर में धर्मेंद्र ने जितना दिया है, उसके बूते वे आने वाले समय में उसी शिद्दत से याद किए जाते रहेंगे, लेकिन फिलहाल उनके नाम के साथ जुड़ी तमाम फिल्मों और उसमें उनके अभिनय को याद किया जाना स्वाभाविक है।

यह कहा जा सकता है कि फिल्मी दुनिया के ज्यादातर कलाकारों की अपनी शैली रही है, मगर धर्मेंद्र ने अपनी एक खास तरह की अदायगी के बूते सिनेमा में जो जगह बनाई, उसमें वे लोगों के दिल में बसने लगे। फिल्मों में अपने करियर की शुरुआत के बाद सुपर स्टार की होड़ के बरक्स वे करीब दो-ढाई दशक तक एक स्थिर छवि में टिके रहे। यह सही है कि धर्मेंद्र अभिनीत फिल्मों के दीवाने रहे लोगों के बीच सबसे पहले 'शोले' के वीरू का किरदार जीवंत हो उठता है, लेकिन उसके अलावा भी धर्मेंद्र ने जिन फिल्मों में काम किया, उसमें एक अलग छाप छोड़ी।

आमतौर पर उन्हें एक्शन फिल्मों में 'ही मैन' यानी मजबूत कद-काठी की आकर्षक छवि वाले अभिनेता के तौर पर देखा जाता है, लेकिन सच यह है कि उनका दायरा इससे काफी बड़ा था। वह चाहे सामाजिक सरोकार वाले मुद्दे पर बनी फिल्म 'सत्यकाम' में अपने आदर्श को लेकर एक जिद्दी नौजवान हो या 'अनुपमा' के संवेदनशील लेखक का किरदार, या फिर इससे इतर 'चुपके चुपके' में अपने हास्य से दर्शकों के बीच एक अलग छवि में सामने आना, वे किसी खास बंधन वाली छवि में कैद नहीं रहे। अलग-अलग भूमिकाओं वाली उनकी फिल्मों की एक लंबी श्रृंखला है। उन्होंने राजनीति में भी अपनी उपस्थिति दर्ज की, हालांकि सियासत उन्हें रास नहीं आई। दरअसल, अपने बहुआयामी अभिनय के लिए मशहूर हुए धर्मेंद्र निजी जिंदगी में शायरी को पसंद करने वाले एक भावुक, सादा और दरियादिल इंसान थे। धर्मेंद्र ने अपने चाहने वालों की एक ऐसी दुनिया तैयार की, जहां वे अपनी सजीली मुस्कान के साथ हमेशा मौजूद रहेंगे।

सबका चहेता नायक धर्मेंद्र दर्शकों के भीतर सदैव बने रहे

धर्मेंद्र हिंदी सिनेमा के उस विराट व्यक्तित्व का नाम है, जो शक्ति और सौंदर्य के संगम में ढलकर लोगों के मन-मस्तिष्क में अमर हो गए। वे केवल एक अभिनेता नहीं, बल्कि भारतीय जीवन के उस मिजाज का चेहरा थे, जिसमें मिट्टी की गंध, प्रेम की ऊष्मा और संघर्ष की गरिमा एक साथ सांस लेती थी। उनकी आंखों में गांव का नीला आसमान झलकता था। फिल्मी पर्दे पर जब वे आते तो दर्शक उन्हें देखते नहीं, अपने भीतर महसूस करते। इसी कारण वे सदैव लोकप्रिय बने रहे। उनके अभिनय को किसी विशेष युग में बांधना संभव नहीं।

वे 1960 के दशक की उस पीढ़ी के प्रतिनिधि थे, जिसने परंपरा और आधुनिकता के बीच पुल बनाया। वे जितने 'शोले' के वीरु थे, उतने ही 'चुपके चुपके' के विनोदी अध्यापक भी। उनकी आंखें जब दर्द से भीगतीं तो दर्शक उनमें अपनी पीड़ा को अनुभूत करते और जब वे हंसते तो लगता, जैसे पूरा गांव किसी मेले में उतर आया हो। धर्मेंद्र की अभिनय शैली में किसी बनावट का स्पर्श नहीं था। वे हर रूप में फबते थे और अपना प्रभाव छोड़ते थे। उनका चेहरा भारतीय पुरुषत्व का प्रतीक बन गया था, किंतु वह पुरुषत्व अहंकार से नहीं, बल्कि संरक्षण की करुणा से उपजा था। उन्हें ही-मैन की उपाधि इसीलिए मिली, क्योंकि वह असली हीरो की छवि पर सौ प्रतिशत खरे उतरते थे। उनके जैसी सुदर्शन छवि वाला नायक और कोई नहीं हुआ। उनकी सुदर्शन छवि और गठीले बदन की चर्चा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हुई, लेकिन उन्हें कभी इसका कोई गुमान नहीं रहा।

धर्मेंद्र पंजाब की मिट्टी से उठे और पूरे भारत के जन-मन में फैल गए। गांव के खेत से लेकर मुंबई की रोशन सड़कों तक वे चलते रहे, पर भीतर वही सहज किसान बने रहे। सादगी उनकी सबसे बड़ी पूंजी रही। सिनेमा में उन्होंने हर रूप को छुआ- एक्शन, रोमांस, कामेडी, त्रासदी, पर हर जगह वे धर्मेंद्र ही रहे। उन्होंने अभिनय को आत्माभिव्यक्ति का माध्यम बनाया, न कि दिखावे का उपकरण। इसलिए उनकी फिल्में केवल मनोरंजन नहीं, जीवन की सुगंध भी बांटती थीं। 'अनुपमा' के उदास प्रेमी से लेकर 'सत्यकाम' के आदर्शवादी नायक तक और 'शोले' के वीरू से लेकर 'चुपके चुपके' के विनोदी अध्यापक तक धर्मेंद्र ने जीवन के सभी रंग जिए। 'सत्यकाम' में उन्होंने जिस तरह आदर्श और यथार्थ के बीच टूटते आदमी के चरित्र को निभाया, वह भारतीय सिनेमा की सबसे संवेदनशील प्रस्तुतियों में से एक है। यह फिल्म ज्यादा चली नहीं, पर उसने दर्शकों पर बहुत गहरा प्रभाव छोड़ा। इस फिल्म में धर्मेंद्र एक दार्शनिक के रूप में थे, जो समाज के दो मुखौटों के बीच सच्चाई खोजता है।

उनका जीवन भी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं। प्रारंभिक दिनों में उन्होंने संघर्षों की वह धूप देखी, जो किसी को झुलसा सकती थी, पर उन्होंने उसे तपस्या में बदल दिया। जिस तरह किसी पेड़ की जड़ें गहराई में जाती हैं और उसे स्थायित्व देती हैं, उसी तरह धर्मेंद्र के भीतर का संस्कार उन्हें स्थिरता देता रहा। उन्होंने सफलता को कभी सिर पर नहीं चढ़ने दिया और असफलता को कभी मन पर नहीं उतरने दिया। उनकी प्रेम भूमिकाओं में एक स्थायी संवेदना रही। उनका चेहरा समय के साथ बूढ़ा हुआ, पर उसकी आभा कभी क्षीण नहीं हुई। उस चेहरे में एक किसान की थकान और एक कवि की चमक थी।

वे अपने समय के उन कुछ अभिनेताओं में रहे, जिन्होंने अभिनय को मानवीय नैतिकता से जोड़ा। वे हिंसा के बीच भी प्रेम खोजते और प्रेम के बीच भी आत्मसंयम बनाए रखते। समय के साथ जब सिनेमाई मूल्य बदलते गए, धर्मेंद्र ने खुद को पीछे हटाकर देखना चुना। वे पर्दे से धीरे-धीरे भले ही ओझल होते गए हों, लेकिन दर्शकों के भीतर बने रहे। आज जब हम धर्मेंद्र को याद कर रहे हैं तो यह केवल अपने किसी चहेते नायक को याद करना नहीं है, बल्कि उस युग को याद करना है, जिसने भावनाओं को ईमानदारी से जिया। धर्मेंद्र का नाम लेते ही एक पूरा सांस्कृतिक परिदृश्य सामने आता है। वे उस पुल की तरह थे, जो गांव और शहर, यथार्थ और स्वप्न, संघर्ष और शांति को जोड़ता था। उनकी फिल्मों के दृश्य अब समय की स्मृति बन चुके हैं, पर उनमें निहित भावना जीवित रहेगी।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

आनंद, असीम ज्ञान, शक्ति, निडरता, खुशी, और शांति हमारी आत्मा के खज़ाने हैं।
यदि हम सही स्थान पर खोज पायें, तो ये सभी हमें मिल जायेंगे।
- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का दबाव

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद अब अन्य राज्यों में भी इस प्रक्रिया पर सवाल उठने लगे हैं। मगर इन सवालों में अब बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) की व्यस्तता और सीमा का मसला भी जुड़ गया है। चुनाव आयोग की ओर से इन अधिकारियों पर जरूरत से ज्यादा दबाव बनाने के आरोप लग रहे हैं। कई राज्यों में बीएलओ के खिलाफ मामले दर्ज किए जा रहे हैं, जिसका विरोध भी हो रहा है। विपक्षी दल आरोप लगा रहे हैं कि चुनाव आयोग की यह कवायद मतदाता सूची में सुधार नहीं, बल्कि अत्याचार का जरिया बन गया है।

काम के दबाव के कारण संबंधित अधिकारियों का स्वास्थ्य बिगड़ रहा है और कुछ को अस्पताल में भर्ती होना पड़ रहा है। हालांकि, आयोग का तर्क है कि कुछ अधिकारी इस प्रक्रिया में जानबूझकर लापरवाही बरत रहे हैं। यह सही है कि निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से चुनाव कराने के लिए मतदाता सूचियों में सुधार जरूरी है। मगर सवाल है कि क्या इस कार्य से जुड़े अधिकारियों पर वास्तव में अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है? अगर ऐसा है तो चुनाव आयोग इस परेशानी को नजरअंदाज क्यों कर रहा है?

बिहार के बाद बारह राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में चार नवंबर से विशेष गहन पुनरीक्षण शुरू किया गया है, जो चार दिसंबर तक चलेगा। इनमें छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल तथा अंडमान-निकोबार, लक्षद्वीप और पुडुचेरी शामिल हैं। इस प्रक्रिया का जिम्मा मुख्य तौर पर बूथ स्तरीय अधिकारियों को सौंपा गया है। कई राज्यों में इन अधिकारियों की शिकायत है कि उनके पास काम का बोझ बढ़ गया है और उन पर अत्यधिक दबाव बनाया जा रहा है। वहीं आम लोग भी अपनी परेशानियों के लिए इनसे ही जवाब मांगते हैं।

पश्चिम बंगाल में बीएलओ अधिकार रक्षा समिति के सदस्यों ने सोमवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर अपना विरोध दर्ज कराया। उनकी मांग थी पुनरीक्षण की समय सीमा बढ़ाई जाए, ताकि उन्हें काम के दबाव से राहत मिल सके। गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों से बूथ स्तरीय अधिकारियों का स्वास्थ्य खराब होने और अस्पताल में भर्ती होने की खबरें भी आ रही हैं। ऐसे में चुनाव आयोग का दायित्व है कि वह इन अधिकारियों को पेश आ रही दिक्कतों का कोई हल निकाले।

बूथ स्तरीय अधिकारियों का संगठन और विपक्षी दल यह सवाल भी उठा रहे हैं कि विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर चुनाव आयोग जल्दबाजी क्यों कर रहा है। जिस कार्य के लिए दो-तीन माह की जरूरत है, उसे पूरा करने के लिए सिर्फ एक माह की समय सीमा क्यों तय की गई है? अगर कोई अधिकारी काम के इस दबाव को नहीं झेल पाता है तो उसके खिलाफ निर्वाचन संबंधी दायित्वों का निर्वहन नहीं करने के आरोप में मुकदमा दर्ज करना क्या न्यायसंगत है?

पिछले करीब तीन हफ्तों के भीतर कई राज्यों में हृदयघात, तनाव और आत्महत्या के कारण पंद्रह से अधिक बीएलओ की जान जाने की खबर आई। अगर यह सच है तो वास्तव में मामला गंभीर और संवेदनशील है। निर्वाचन आयोग को इस पर विचार करना चाहिए। उचित समय लेकर पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने की ओर ध्यान देना जरूरी है। इस बात पर भी गौर किया जाना चाहिए कि पुनरीक्षण प्रक्रिया में शामिल कर्मियों पर काम का अनावश्यक दबाव बनाने से गड़बड़ियों की संभावना ज्यादा है। इससे मतदाता सूचियों की शुचिता सुनिश्चित करने का मकसद भी अधूरा ही रह जाएगा।

भारत का पहला एयरपोर्ट जहां से 150 शहरों के लिए सीधी उड़ान

भारत में परिवहन सेवाओं के लगभग हर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सुधार किए जा रहे हैं। जिन व्यवस्थाओं में विस्तार की जरूरत थी, उन्हें तेजी से

जरा हट के

विकसित किया जा रहा है और उनका इन्फ्रास्ट्रक्चर भी मजबूत बनाया जा रहा है।

ऐसे ही आज हम बात कर रहे हैं वायु परिवहन सेवा के एक अहम हिस्से एयरपोर्ट की, क्या आप जानते हैं कि भारत में ऐसा कौन-सा हवाई अड्डा है, जहां से आप देश और विदेश के 150 अलग-अलग गंतव्यों तक सीधी यात्रा कर सकते हैं? अगर नहीं जानते, तो हम आपको इसके बारे में जानकारी देंगे।

newdelhiairport.in की रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली का इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (IGI Airport) अब दुनिया के 150 स्थानों के लिए सीधी उड़ानें उपलब्ध कराता है। दिल्ली से बैंकॉक-डॉन मुआंग (DMK) के लिए थाई एयरएशिया एक्स की नई सीधी फ्लाइट शुरू होने के साथ ही यह 150वां अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन जुड़ गया।

एयरबस A330 द्वारा संचालित यह रूट व्यवसाय और पर्यटन दोनों तरह के यात्रियों के लिए कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाता है। इस नए मार्ग से जुड़ने के बाद दिल्ली एयरपोर्ट भारत का पहला ऐसा हवाई अड्डा बन गया है, जो दुनिया भर के 150 डेस्टिनेशन से सीधे तौर पर जुड़ा है।

गौर करने वाली बात यह है कि पिछले कुछ सालों में दिल्ली हवाई अड्डे ने अपनी वैश्विक उपस्थिति में काफी बढ़ोतरी की है। यहां से यात्री नोम पेन्ह, बाली डेनपसार, कैलगरी, मॉन्ट्रियल, वैंकूवर, वाशिंगटन डलेस, शिकागो ओ'हेयर और टोक्यो हानेडा जैसे कई विशेष विदेशी गंतव्यों की यात्रा कर चुके हैं।

यात्रियों का इन विविध स्थानों तक का सफर यह साबित करता है कि IGI का तेजी से बढ़ता वैश्विक नेटवर्क न केवल बेहतरीन कनेक्टिविटी देता है, बल्कि अलग-अलग यात्रा आवश्यकताओं को भी आसानी से पूरा करता है।

मखंडी हलवा

सामग्री

- सूजी : आधा कप
- दूध : 2 कप
- देसी घी: आधा कप
- चीनी: 1 कप
- इलायची पाउडर: आधा चम्मच
- बारीक कटे मेवे: काजू, बादाम या पिस्ता

बनाने की आसान विधि

सबसे पहले एक बड़े कटोरे में सूजी लें और उसमें 2 कप दूध डालकर अच्छी तरह मिला लें। इस मिश्रण को ढककर कम से कम 15 से 20 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। यह सबसे जरूरी स्टेप है।

इसके बाद एक भारी तले वाली कड़ाही या पैन में घी गरम करें। जब घी हल्का गरम हो जाए, तो उसमें दूध में भीगी सूजी डालकर लगातार चलाते हुए अच्छी तरह भून लें। ध्यान रहे कि इस दौरान गैस की आंच धीमी ही रहनी चाहिए, नहीं तो सूजी बर्तन के तले से चिपककर जल भी सकती है।

15-20 मिनट तक इस मिश्रण को धीमी आंच पर भूनने के बाद आप देखेंगे कि सूजी का रंग सुनहरा हो गया है। इस स्टेज पर गैस ऑफ कर दें और इसे 3-4 मिनट तक

लगातार चलाते रहें, ताकि सूजी कड़ाही या पैन के तले में चिपक न जाए।

अब एक दूसरी कड़ाही या पैन में चीनी और कुछ चम्मच घी डालकर धीमी आंच पर लगातार चलाते रहें। चीनी धीरे-धीरे पिघलना शुरू कर देगी और उसका रंग बदलकर हल्का भूरा हो जाएगा। ध्यान रखें कि चीनी जल न जाए।

जैसे ही चीनी का रंग सुनहरा हो जाए, इसमें भुनी हुई सूजी सावधानी से डाल दें। इस दौरान भी आंच को धीमी से मीडियम रखें और इसे लगातार चलाते रहें ताकि गांठें न बनें।

हलवे को तब तक पकाते रहें जब तक कि वह गाढ़ा न हो जाए और कड़ाही के किनारे छोड़ने न लगे। बीच-बीच में जरूरत महसूस होने पर आप घी डाल सकते हैं।

हलवा सही ढंग से पक जाने पर सूजी के दाने खिल जाएंगे और यह एक दानेदार बनावट ले लेगा। आखिर में इसमें इलायची पाउडर और ड्राई फ्रूट्स मिलाएं और अच्छी तरह मिक्स कर लें।

26 नवंबर को ही क्यों मनाते हैं संविधान दिवस?

आज हम जिस आजादी, अधिकारों और लोकतंत्र पर गर्व करते हैं, उसकी नींव एक ऐसे ऐतिहासिक दिन पर रखी गई थी, जिससे भारत को उसकी असली पहचान दी। जी हां, हर साल 26 नवंबर को मनाया जाने वाला संविधान दिवस सिर्फ एक तारीख नहीं, बल्कि उस लंबे और कठिन सफर की याद है, जब देश के महान नेताओं ने मिलकर भारत का संविधान तैयार किया- एक ऐसा दस्तावेज जो आज भी करोड़ों लोगों के जीवन का मार्गदर्शन करता है।

26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने भारत के संविधान को अपनाया था। स्वतंत्रता मिलने के बाद देश को चलाने के लिए एक मजबूत और स्पष्ट व्यवस्था की जरूरत थी, जिसे तैयार करना का जिम्मा संविधान सभा को दिया गया। 2 वर्ष 11 महीने और 18 दिनों की निरंतर मेहनत के बाद जब यह संविधान तैयार हुआ, तब यह दिन इतिहास में अमर हो गया।

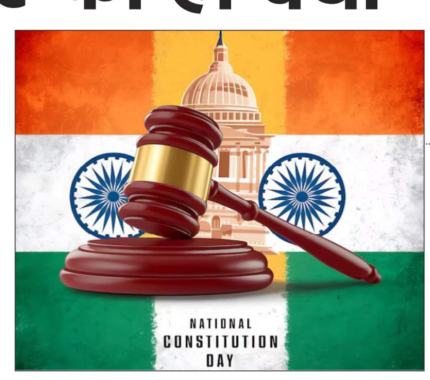

संविधान निर्माण का इतिहास

भारत की संविधान सभा 1946 में बनी थी और इसके अध्यक्ष देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद थे। संविधान का मसौदा तैयार करने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी डॉ. बी.आर. आंबेडकर की अध्यक्षता वाली ड्राफ्टिंग कमेटी को सौंपी गई थी। 1948 की शुरुआत में डॉ. आंबेडकर ने संविधान का प्रारूप तैयार कर सभा के सामने प्रस्तुत किया। कई विचार-विमर्श, सुझावों और बहस के बाद 26 नवंबर 1949 को इस संविधान को औपचारिक रूप से स्वीकार किया गया। इसके बाद 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू हुआ और इसी दिन भारत एक गणतंत्र राष्ट्र बना, जिस दिन को हम हर साल गणतंत्र दिवस के रूप में मनाते हैं।

साल 2015 में भारत सरकार ने आधिकारिक रूप से 26 नवंबर को संविधान दिवस घोषित किया ताकि देश में संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा दिया जा सके। यह साल डॉ. भीमराव आंबेडकर की 125वीं जयंती का वर्ष भी था। जी हां, वह महान व्यक्तित्व जिन्होंने संविधान निर्माण में केंद्रीय भूमिका निभाई।

भारतीय संविधान दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान माना जाता है, जिसके अंग्रेजी संस्करण में करीब 1,17,360 शब्द शामिल हैं। इसकी व्यापकता और विस्तृत विवरण इसे दुनिया के सबसे अनोखे और संतुलित संविधानों में स्थान देती है।

संविधान दिवस का महत्व

संविधान दिवस उन 271 सदस्यों की मेहनत, दूरदृष्टि और समर्पण को सम्मान देने का अवसर है, जिन्होंने मिलकर भारत का भविष्य गढ़ा। यह संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं है, बल्कि सामाजिक न्याय और समानता की मजबूत घोषणा है, जिसने सदियों से चले आ रहे भेदभाव और असमानताओं को चुनौती दी। यह दिन हमें याद दिलाता है कि लोकतंत्र की असली ताकत नागरिकों की भागीदारी और संवैधानिक मूल्यों के पालन में है। संविधान दिवस हमें प्रेरित करता है कि हम न केवल अपने अधिकारों को समझें, बल्कि अपने कर्तव्यों के प्रति भी सजग रहें।

संविधान की मूल भावना क्या है?

भारत के संविधान की प्रस्तावना देश को सम्पूर्ण प्रभुत्व संपन्न, समाजवादी, पंथ-निरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित करती है। इसका उद्देश्य हर नागरिक को- न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारा प्रदान करना है, ताकि देश की एकता और अखंडता मजबूत बनी रहे।

आज का राशिफल

मेष : आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टनरों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा। यात्रा की योजना बनेगी। घर-बाहर कुछ तनाव रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे।

वृषभ : पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लाभ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। काम में मन लगेगा। शेयर मार्केट में लाभ रहेगा। नौकरी में सुविधाएं बढ़ सकती हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धन प्राप्ति सुगमता से होगी।

मिथुन : वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। लाभ होगा। दु:खद सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। अपने काम पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

कर्क : आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा। परिवार के सदस्यों की उन्नति के समाचार मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक सहयोग बना रहेगा। किसी व्यक्ति की बातों में न आएं, लाभ होगा। भूले-बिसरे साथी तथा आगंतुकों के स्वागत पर व्यय होगा।

सिंह : मित्रों का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा की योजना बनेगी। प्रसन्नता रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नतादायक वातावरण रहेगा। नौकरी में चैन महसूस होगा। व्यापार से संतुष्टि रहेगी। संतान की चिंता रहेगी। प्रतिद्वंद्वी तथा शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं।

कन्या : काम में लगन तथा उत्साह बने रहेंगे। मित्रों के साथ प्रसन्नतापूर्वक समय बीतेगा। यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। घर-बाहर सफलता प्राप्त होगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

तुला : आय में निश्चितता रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जीवनसाथी से सामंजस्य बैठाएं। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेवजह लोगों से मनमुटाव हो सकता है। बेकार की बातों पर ध्यान न दें।

वृश्चिक : व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सुकून रहेगा। जल्दबाजी में कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। कानूनी अड़चन आ सकती है। विवाद न करें।

धनु : सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का माहौल रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। बड़ा कार्य करने का मन बनेगा। सफलता के साधन जुटेंगे। जोखिम न उठाएं। नई योजना लागू करने का श्रेष्ठ समय है।

मकर : किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे। किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। चोट व दुर्घटना से बचें। व्यस्तता रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी। विवाद से बचें। धन प्राप्ति होगी। प्रमाद न करें।

कुंभ : ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चोट व दुर्घटना से बचें। आय में कमी रह सकती है। घर-बाहर असहयोग व अशांति का वातावरण रहेगा। अपनी बात लोगों को समझा नहीं पाएंगे। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। हितैषी सहयोग करेंगे। धनार्जन संभव है।

मीन : किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से कार्य की बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। नए लोगों से संपर्क होगा। आय में वृद्धि तथा आरोग्य रहेगा। चिंता में कमी होगी। जल्दबाजी न करें। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

चावल के पानी का ब्यूटी सीक्रेट

हमारी दादी और मां हमेशा कहती थीं कि सुंदर और चमकदार त्वचा के लिए महंगे क्रीम या फैंसी ट्रीटमेंट की जरूरत नहीं होती. असल में, उनका राज बहुत ही साधारण सामग्री में छिपा होता था-चावल का पानी. यह साधारण सा तरल, जो अक्सर रसोई में फेंक दिया जाता है, त्वचा की सेहत और चमक बढ़ाने में अद्भुत काम करता है।

चावल के पानी को स्किनकेयर में शामिल करने के फायदे

1. **त्वचा को चमकदार बनाना:** चावल के पानी में मौजूद प्राकृतिक एंजाइम्स त्वचा की रंगत समान करते हैं और डार्क स्पॉट्स को कम करते हैं।

2. **हाइपरपिग्मेंटेशन से बचाव:** धीरे-धीरे मेलेनिन उत्पादन को नियंत्रित कर डार्क स्पॉट्स फीके करते हैं।

3. **मुंहासों से लड़ना:** यह सूजन कम करता है और बैक्टीरिया के कारण होने वाले ब्रेकआउट्स को रोकता है।

4. **एंटी-एजिंग गुण:** एंटी ऑक्सीडेंट्स त्वचा को समय से पहले उम्र के निशानों से बचाते हैं और कोलेजन उत्पादन में मदद करते हैं।

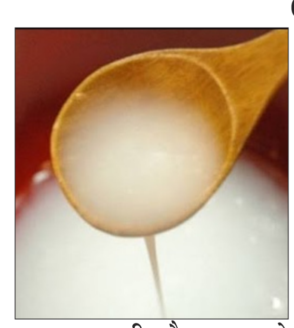

5. **खुजली और जलन को शांत करना:** पीएच संतुलित और कोमल होने की वजह से लालिमा और जलन कम करता है।

6. **पोर्स को कसना:** नियमित उपयोग से बड़े पोर्स की उपस्थिति कम होती है और अतिरिक्त तेल नियंत्रित रहता है।

7. **स्वस्थ चमक देना:** रक्त संचार को सुधारकर त्वचा को प्राकृतिक ग्लो देता है।

चावल का पानी कैसे तैयार करें

1. भिगोने की विधि: आधा कप चावल धोकर दो कप पानी में 30 मिनट भिगोएं. पानी को छान लें, यही आपका इस्तेमाल करने लायक चावल का पानी है।

2. उबालने की विधि: चावल को दोगुने पानी में उबालें. पक जाने के बाद पानी को छानें और ठंडा होने दें. यह अधिक

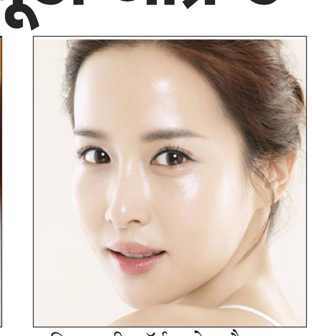

शक्तिशाली फॉर्मूला देता है।

3. खमीरयुक्त चावल का पानी: भिगोने की विधि का पालन करें, फिर इसे 24-48 घंटे कमरे के तापमान पर छोड़ दें. हल्की खट्टी गंध आएगी, यह तैयार होने का संकेत है।

चावल के पानी का उपयोग कैसे करें

1. फेस वॉश: चेहरा धोने के बाद या रात में इसे 30 सेकंड मसाज कर लगाएं.

2. DIY टोनर: स्प्रे बोतल या कॉटन पैड से लगाएं. मॉइस्चराइज़र लगाने से पहले 2-3 मिनट तक अवशोषित होने दें.

3. साप्ताहिक फेशियल: कपड़े को चावल के पानी में भिगोकर 15-20 मिनट चेहरे पर रखें. अतिरिक्त पोषण के लिए शहद या ओट्स मिला सकते हैं।

कंबल से आ रही है गंध? आसान उपाय अपनाएं...

1. धूप सबसे बेस्ट और नेचुरल तरीका है

कंबल की बदबू का सबसे आसान इलाज है धूप. कंबल को 2 से 3 घंटे खुली धूप में फैला दें. सूरज की गर्मी बैक्टीरिया, फंगस और नमी को खत्म कर देती है. इससे बंद गंध अपने आप चली जाती है. कोशिश करें कि कंबल को उल्टा-सीधा करके दोनों तरफ से धूप मिले. अगर धूप कम है, तो खुली हवा वाली जगह बालकनी या छत पर टांग दें.

2. बेकिंग सोडा करेगा बदबू का सफाया

अगर गंध बहुत ज्यादा है तो बेकिंग सोडा बेस्ट है. कंबल पर हल्का सा बेकिंग सोडा छिड़कें और 30 से 40 मिनट छोड़ दें. यह गंध को एब्जॉर्ब कर लेता है. बाद में कंबल को हल्के ब्रश से साफ करें या बालकनी में झाड़ दें. चाहें तो मशीन वॉश भी कर सकते हैं. यह तरीका खासतौर पर वूलन कंबलों के लिए अच्छा है.

3. सिरके से मिलेगी डीप क्लीनिंग और फ्रेशनस

सिरका नेचुरल डियोडोराइजर

माना जाता है. अगर कंबल मशीन में धो रहे हैं तो वॉश साइकल में आधा कप सफेद सिरका डालें. इससे बदबू, पसीने के दाग और बैक्टीरिया हट जाते हैं. कंबल सॉफ्ट और फ्रेश महक वाला हो जाता है. बस ध्यान रहे कि सिरके का इस्तेमाल क्लोरीन ब्लीच के साथ न करें.

4. गरम पानी और डिटर्जेंट का इस्तेमाल

अगर कंबल वॉशेबल है तो उसे गरम पानी, माइल्ड लिक्विड डिटर्जेंट और थोड़ा सा सिरका डालकर धो लें. गरम पानी नमी और गंदगी को जल्दी ढीला कर देता है. धोने के बाद कंबल को अच्छी तरह सुखाने दें, वरना फिर से बदबू आ सकती है. वूलन कंबलों को गरम पानी में न डालें, उनके लिए ठंडा पानी बेहतर है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

डबल मर्डर; मां-बेटी की सिर कूचकर हत्या

गोरखपुर. यूपी के गोरखपुर में शाहपुर थाना क्षेत्र के गीता वाटिका इलाके में सोमवार को दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। घर के अंदर मां-बेटी की हथौड़े से सिर कूंचकर हत्या कर दी गई। दोनों के सुबह से घर से बाहर न निकलने पर पड़ोसियों को अनहोनी की आशंका हुई। रात करीब नौ बजे सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और कमरे के अंदर दोनों की खून से लथपथ लाश बरामद की। पास में खून से सना हथौड़ा भी मिला है। 75 वर्षीय शांति देवी और उनकी 55 वर्षीय बेटी विमला जायसवाल घर में अलग-अलग कमरे में मृत पड़ी थीं। शांति देवी विधवा थीं और विमला शादीशुदा नहीं थीं। वह पास के रमा फर्नीचर में सेल्सगर्ल का काम करती थीं। सोमवार को उनके काम पर न पहुंचने और पड़ोसियों द्वारा दिनभर कमरे का दरवाजा न खुलते देखने पर पुलिस को सूचना दी गई। शाहपुर इंस्पेक्टर नीरज राय ने कमरे की तलाशी ली। मां-बेटी अलग-अलग कमरों में मृत मिलीं। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से सैंपल एकत्र किए और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

सौरभ की हत्या के 8 महीने 21 दिन बाद उसके बर्थडे पर मुस्कान की बेटी का जन्म, बाप कौन?

मेरठ. मेरठ के सौरभ हत्याकांड की क्रूर और सनसनीखेज कहानी में एक नया और भावनात्मक मोड़ आ गया है। हत्या की आरोपी पत्नी मुस्कान ने जेल में बेटी को जन्म दिया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि बच्ची का जन्म ठीक उसी तारीख को हुआ, जिस दिन पति सौरभ का जन्मदिन होता है। सौरभ की हत्या के 8 महीने 21 दिन बाद हुई इस बच्ची को लेकर असली सवाल यह है कि इसका पिता कौन है? मेरठ के ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र की इंदिरा नगर कॉलोनी स्थित घर पर मुस्कान ने 3 मार्च 2025 को विदेश में नौकरी करने वाले अपने पति सौरभ राजपूत को खाने में बेहोशी की गोली मिलाकर सुला दिया था। इसके बाद प्रेमी साहिल शुक्ला के साथ मिलकर सौरभ का गला रेता और चाकू से ताबड़तोड़ वार किए। हत्या के बाद शव को कई टुकड़ों में काटा गया। पहले से खरीद कर रखे गए नीले रंग के बड़े प्लास्टिक ड्रम में शव के टुकड़ों को ठूंस दिया गया। इसके बाद उसे सीमेंट के घोल से भर दिया गया था। जांच अधिकारियों के लिए यह तय करना मुश्किल होगा कि इस बच्ची का पिता कौन है। ऐसे में डीएनए जांच से ही फैसला संभव है। फिलहाल, जघन्य अपराध की दोषी मुस्कान जेल की सलाखों के पीछे है। 17 मार्च के बाद से वह अंदर ही है।

पुलिस के साथ बदमाशों का एनकाउंटर

यूपी में बदमाशों और पुलिस के साथ एक बार फिए मुठभेड़ हुई है। हापुड़ और प्रयागराज में पुलिस की बदमाशों के साथ एनकाउंटर में गोली मारने के बाद दो बदमाशों को पकड़ा गया है। हापुड़ के धौलाना में पुलिस और शातिर गोकश के बीच सोमवार की देर रात मसूरी नहर पटरी पर मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जबकि दूसरा फरार हो गया। प्रयागराज के थरवई में 25 हजार के इनामी को गोली मारने के बाद पकड़ा गया है।

हापुड़ में सीओ पिलखुवा अनीता चौहान ने बताया कि धौलाना थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष चौहान पुलिस टीम के साथ मसूरी नहर पटरी के पास चेकिंग कर रही थी। इसी बीच एक बाइक पर दो संदिग्ध लोग पुलिस टीम को आते हुए दिखाई दिए। पुलिस टीम ने रुकने का इशारा किया तो आरोपी पुलिस टीम पर फायरिंग करते हुए भागने लगे। आत्मरक्षार्थ पुलिस टीम ने जवाबी फायरिंग की तो एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जबकि दूसरा बदमाश फरार हो गया।

अयोध्या राम मंदिर पर फहराई धर्मध्वजा

मोदी भावुक हुए:बोले- अब मानसिक गुलामी से मुक्ति का लक्ष्य, इसने राम को भी काल्पनिक बता दिया

अयोध्या. अयोध्या का राम मंदिर आज संपूर्ण हो गया। प्राण प्रतिष्ठा के 673 दिनों बाद PM मोदी और RSS प्रमुख मोहन भागवत ने मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया। सुबह 11.50 बजे अभिजीत मुहूर्त में बटन दबाते ही 2 किलो की केसरिया ध्वजा 161 फीट ऊंचे शिखर पर फहरने लगी। PM भावविभोर हो गए। उन्होंने धर्मध्वजा को हाथ जोड़कर प्रणाम किया।

PM ने कहा- आज सदियों के घाव भर गए हैं। हम देश को गुलामी की मानसिकता से मुक्त करके रहेंगे। यह मानसिकता इतनी हावी हो गई थी कि वर्षों तक भगवान राम को काल्पनिक बताया गया।

ध्वजारोहण से पहले PM मोदी ने मोहन भागवत के साथ मंदिर की पहली मंजिल पर बने रामदरबार में पूजा और आरती की। इसके बाद रामलला के दर्शन किए। PM रामलला के लिए वस्त्र और चंवर लेकर पहुंचे थे। PM ने साकेत कॉलेज से रामजन्मभूमि तक डेढ़ किमी लंबा रोड शो भी किया।

इस दौरान स्कूली छात्रों ने काफिले पर फूल बरसाए और जगह-जगह महिलाओं ने उनका स्वागत किया। पहले चर्चा थी कि ध्वजारोहण समारोह के लिए अमिताभ बच्चन समेत कई सेलिब्रिटीज को न्योता भेजा गया है, लेकिन कोई नहीं पहुंचा।

चारों शंकराचार्यों को छोड़कर देशभर के मठों के संत मंदिर परिसर में मौजूद रहे। शहर को 1000 क्विंटल फूलों से सजाया गया। मंदिर में 5-लेयर सुरक्षा रही। ATS, NSG, SPG, CRPF और PAC के जवान तैनात रहे। रामलला ने आज सोने और रेशम के धागों से बने पीतांबर वस्त्र धारण किए।

भागवत बोले- जिन्होंने प्राण अर्पण किए, आज उनकी आत्मा तृप्त हुई

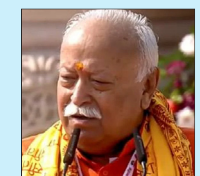

RSS प्रमुख मोहन भागवत ने कहा- राम मंदिर आंदोलन में लोगों ने अपने प्राण अर्पण किए। आज उनकी आत्मा तृप्त हुई होगी। आज वास्तव में अशोक जी को वहां शांति मिली होगी। उन्होंने अपने प्राण अर्पण किए और अपना पसीना बहाया। जो पीछे रहे, वे भी मन में इच्छा करते रहे कि मंदिर बनेगा और आज मंदिर निर्माण की शास्त्रीय प्रक्रिया पूर्ण हो गई।

ध्वजारोहण हो गया... हमने इसे अपनी आंखों से देखा है। रथ चलाने के लिए सात-सात घोड़े हैं, उन्हें नियंत्रित करने के लिए लगाम है। रस्सा नहीं है, सारथी नहीं है तो ऐसी गाड़ी नहीं चल सकती। शांति बांटने वाला भारतवर्ष खड़ा करना है.. यही विश्व की अपेक्षा है।

योगी बोले- पीढ़ियों की प्रतीक्षा साकार हुई

सीएम योगी ने कहा कि ध्वजारोहण यज्ञ की पूर्णाहुति नहीं, बल्कि नए युग का शुभारंभ है। भाजपा सरकार बनने पर 2014 में जिस संभावना, संकल्प और विश्वास का सूर्योदय हुआ, आज वही तपस्या और अनगिनत पीढ़ियों की प्रतीक्षा साकार हुई। श्रीराम मंदिर पर फहराता केसरिया ध्वज धर्म, मर्यादा, सत्य-न्याय और राष्ट्रधर्म का भी प्रतीक है। संकल्प का कोई विकल्प नहीं होता। सभी ने 11 वर्षों में बदलते भारत को देखा है। 500 वर्षों में साम्राज्य बदले, पीढ़ियां बदलीं, लेकिन आस्था अडिग रही। आस्था न झुकी, न रुकी। जन-जन का विश्वास अटल था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठन के हाथों में कमान आई तो हर मुंह से एक ही उद्घोष निकलता था- रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। लाठी-गोली खाएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे।'

कांग्रेस के सामने नई चुनौती!

लिखित आश्वासन मांग रहे शिवकुमार; बदलेगा कर्नाटक का CM?

कर्नाटक के उप-मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कथित तौर पर सरकार गठन के समय मुख्यमंत्री परिवर्तन को लेकर किए गए वादे की याद दिलाते हुए लिखित आश्वासन मांगा है। इस कथित मांग से कांग्रेस नीत सरकार को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है और राज्य की राजनीति में खलबली मच गई है। इस कथित मांग की पुष्टि हालांकि न तो अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (AICC) और न ही राज्य नेतृत्व द्वारा की गई है, लेकिन इसने सत्तारूढ़ पार्टी के शीर्ष स्तर में बढ़ते अविश्वास के बारे में अटकलों को तेज कर दिया है।

पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, शिवकुमार की यह कथित मांग सरकार गठन के समय सत्ता को साझा करने पर हुई पहले की मौखिक चर्चा से उपजी है। वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने हालांकि ऐसी किसी सहमति को लेकर कोई पुष्टि नहीं की है।

नेतृत्व परिवर्तन का यह मुद्दा उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और मुख्यमंत्री सिद्दारमैया के बीच बढ़ती दूरी की ओर इशारा करता है। कर्नाटक की राजनीति में तब इस मुद्दे ने तब और हवा पकड़ ली, जब नागा संतों के एक समूह ने शिवकुमार के निवास का दौरा किया, जिसमें से काशी के एक संत ने कथित तौर पर उन्हें मुख्यमंत्री बनने का आशीर्वाद दिया। यह हालांकि प्रतीकात्मक है, लेकिन इस दौरे ने कथित नेतृत्व विवाद के इर्द-गिर्द राजनीतिक चर्चाओं को तेज कर दिया है।

दिल्ली में 'हिडमा-हिडमा' करने वाले नक्सलवाद प्रेमी कौन?

नई दिल्ली. दिल्ली में रविवार शाम इंडिया गेट पर वायु प्रदूषण के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान खूंखार नक्सली माडवी हिडमा के समर्थन में लगाए गए नारों और पुलिसकर्मियों पर मिर्ची स्प्रे से हमले के बाद 22 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

दिल्ली पुलिस दो एफआईआर दर्ज करके नक्सल समर्थकों और हमलावरों को दबोचने में जुटी हुई है। आखिर कौन थे वे लोग जो यहां हवा के लिए जुटे और नक्सलवाद का जहर घोलने लगे? शुरुआती जांच में कुछ संगठनों के नाम सामने आए हैं। विडंबना यह है कि देश विरोधी इस हरकत में आरोपित एक संगठन का नाम महान स्वतंत्रता सेनानी और शहीद-ए-आजम भगत सिंह पर है।

दिल्ली अगेंस्ट क्लीन एयर के बैनर तले कई संगठनों ने साझा रूप से प्रदर्शन का आयोजन किया था। साइंटिस्ट्स फॉर सोसाइटी (SFS), हिमखंड और भगत सिंह छात्र एकता मंच (bsCEM) जैसे संगठन के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में हाथों में बैनर और पोस्टर लेकर इंडिया गेट के सामने सी-हेक्सागन में जुटे थे। एसएफएस ने नक्सली नारों और हमलों से खुद को अलग करते हुए आरोप लगाया है कि प्रदर्शन में शामिल हिमखंड और भगत सिंह छात्र एकता मंच के कार्यकर्ताओं ने हिडमा के समर्थन में नारे लगाने शुरू कर दिए।

एसएफएस ने एक बयान में कहा कि दिल्ली अगेंस्ट क्लीन एयर के बैनर तले बुलाए गए प्रदर्शन का एकमात्र उद्देश्य राजधानी में वायु प्रदूषण की समस्या पर केंद्रित था। संगठन ने कहा, 'प्रदर्शन केवल वायु प्रदूषण के खिलाफ था। हमारा उद्देश्य लोगों को गंभीर प्रदूषण संकट के प्रति लोगों को जागरूक और संगठित करना और सरकार की लाभ केंद्रित व्यवस्था को उजागर करना था।' संगठन ने कहा कि हिमखंड और भगत सिंह छात्र एकता मंच के कार्यकर्ताओं ने माओवादी नेता हिडमा के समर्थन में नारे लगाए।

एसएफएस ने कहा, 'हिमखंड और भगत सिंह छात्र एकता मंच के सदस्य सीपीआई (माओवादी) नेता हिडमा के एक्सट्रा ज्यूडिशल एनकाउंटर को लेकर नारे लगाने लगे। हम मानते हैं कि हिडमा और उसके साथियों के एनकाउंटर की जांच होनी चाहिए और हम इस मुठभेड़ की निंदा करते हैं। हम यह भी मानते हैं कि यह प्लेटफॉर्म इस मुद्दे को उठाने के लिए उचित नहीं था। आम छात्र और नागरिक भी पलूशन के मुद्दे पर जुटे थे।' एसएफएस का दावा है कि हिमखंड और बीएससीईएम ने नारों को लेकर अपना प्लान नहीं बताया था। संगठन ने कहा कि उन्होंने नारे लगाने से रोकने की कोशिश की, लेकिन उनके कार्यकर्ता नहीं माने। संगठन ने कहा, 'आम लोगों को लेकर हम अलग से प्रदर्शन करते रहे और उन्हें संबोधित किया।'

वामपंथी विचारधारा वाले भगत सिंह छात्र एकता मंच के इंस्टाग्राम हैंडल पर इसके परिचय में कहा गया है, 'हम एक लोकतांत्रिक छात्र संगठन हैं, जो एक वास्तविक लोकतांत्रिक समाज के प्रति प्रतिबद्ध है।' इसके माध्यम से प्रदर्शन के लिए लोगों को आमंत्रित किया गया था।

गुरुद्वारा जाने से इनकार करने पर आर्मी अफसर बर्खास्त

- सुप्रीम कोर्ट बोला- ऐसा व्यक्ति फोर्स में रहने लायक नहीं
- सेना सेक्युलर, यहां अनुशासन सर्वोपरि

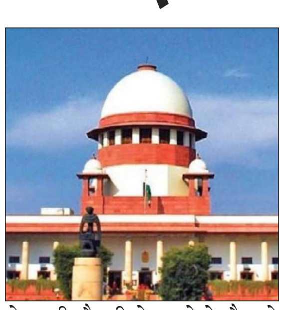

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सैमुअल कमलेसन नाम के एक क्रिश्चियन आर्मी अफसर को फटकार लगाई, जिसे गुरुद्वारे जाने से मना करने पर सेना ने बर्खास्त कर दिया था। कोर्ट ने अफसर को झगड़ालू और आर्मी के लिए मिसफिट करार दिया।

चीफ जस्टिस (CJI) सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने क्रिश्चियन अफसर को सेना की नौकरी से हटाने के फैसले का समर्थन किया। साथ ही कहा कि उन्होंने अपने साथी सिख सैनिकों की आस्था का सम्मान नहीं किया।

कोर्ट ने कहा कि यह आचरण गंभीर अनुशासनहीनता है और सेना जैसी संस्था में ऐसी हरकतें बर्दाश्त नहीं की जा सकतीं। CJI ने कहा- आप किस तरह का संदेश दे रहे हैं? आपने अपने सैनिकों की भावनाओं का सम्मान नहीं किया। आपका धार्मिक अहंकार इतना अधिक था कि आपने दूसरों की परवाह ही नहीं की?

दिल्ली HC ने कहा था- अफसर ने अपने धर्म को सबसे ऊपर रखा

सुप्रीम कोर्ट से पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने भी मई में सेना के फैसला को सही ठहराया था। हाईकोर्ट ने माना था कि अफसर के व्यवहार से रेजिमेंट की एकजुटता, अनुशासन और सेक्युलर मूल्यों को नुकसान पहुंचा।

कोर्ट ने सेना में ऐसे व्यवहार को युद्ध स्थितियों में नुकसानदेह बताया था। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि कमलेसन ने अपने सीनियर अफसरों के आदेश से ऊपर अपने धर्म को रखा। यह स्पष्ट रूप से अनुशासनहीनता है।

अफसर का तर्क- ईसाई धर्म गुरुद्वारा-मंदिर जाने की अनुमति नहीं देता

- अफसर सैमुअल कमलेसन की तरफ से पेश हुए सीनियर वकील गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि उन्हें सिर्फ इसलिए नौकरी से निकाला गया क्योंकि उन्होंने अपने पोस्टिंग वाले मंदिर के सबसे अंदर वाले हिस्से में जाने से मना कर दिया था। वकील ने बताया, अफसर हर हफ्ते अपने सैनिकों के साथ मंदिर और गुरुद्वारे तक जाते थे, लेकिन पूजा, हवन या आरती के समय अंदर नहीं जाते थे, क्योंकि उनकी ईसाई धार्मिक मान्यता इसकी अनुमति नहीं देती।
- उनका कहना था कि वे अनुशासित अफसर हैं और बाकी सब काम ठीक से करते हैं। उन्होंने सिर्फ इतना कहा था कि उन्हें किसी देवी-देवता की पूजा करवाने या अनुष्ठान करने के लिए मजबूर न किया जाए।

गुवाहाटी टेस्ट- भारत पर क्लीन स्वीप का खतरा

- हार टालने के लिए बुधवार को पूरा दिन निकालना होगा
- साउथ अफ्रीका को 8 विकेट चाहिए

साउथ अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी टेस्ट में भारतीय टीम पर हार और क्लीन स्वीप का खतरा मंडरा रहा है। जीत के लिए 549 रन के असंभव से टारगेट के जवाब में भारत ने चौथे दिन स्टंप्स तक 2 विकेट खोकर सिर्फ 27 रन बनाए हैं। साई सुदर्शन और कुलदीप यादव नॉटआउट लौटे। ओपनर यशस्वी जायसवाल 13 और केएल राहुल 6 रन बनाकर आउट हुए।

साउथ अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी 260/5 के स्कोर पर घोषित कर दी। साउथ अफ्रीका ने पहली पारी में 489 रन बनाए थे। जवाब में भारत की पहली पारी 201 रन सिमट गई थी। इस तरह भारत को टेस्ट जीतने के लिए 549 रन का टारगेट मिला।

साउथ अफ्रीका ने पहला टेस्ट मैच 30 रन से जीता था। अगर टीम गुवाहाटी टेस्ट भी जीत लेती है तो वह भारत के खिलाफ भारत में 25 साल बाद सीरीज जीतने और क्लीन स्वीप करने में कामयाब होगी। साउथ अफ्रीका ने साल 2000 में भारत को दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 2-0 से हराया था। पांचवें दिन का खेल सुबह 9 बजे से शुरू होगा।

पहले सेशन में भारत को 3 विकेट मिले

भारत ने चौथे दिन की शुरुआत अच्छी की थी। टीम ने पहले सेशन में 81 रन देकर 3 विकेट लिए। साउथ अफ्रीका की दूसरी पारी की बढ़त 395 रन तक पहुंच गई। पहले सेशन में रायन रिकेल्टन (35), ऐडन मार्करम (29) और टेम्बा बावुमा (3) आउट हुए। रवींद्र जडेजा को 2 और वॉशिंगटन सुंदर को 1 विकेट मिला। चौथे दिन का पहला सेशन खत्म होने तक साउथ अफ्रीका का स्कोर 107/3 था।

दूसरे सेशन में साउथ अफ्रीका ने 113 रन बनाए

दूसरे सेशन में साउथ अफ्रीका ने 113 रन बनाए। इस दौरान टीम ने केवल एक विकेट गंवाया। इस सेशन में भारत को रवींद्र जडेजा ने इकलौती सफलता दिलाई। उन्होंने टोनी डी जॉर्जी को 49 रन पर आउट करते हुए अपना तीसरा विकेट हासिल किया। लंच तक टीम का स्कोर 220/4 रहा और बढ़त 508 रन की हो गई।

हत्या है जुबिन गर्ग की मौत, अब तक 7 करीबी अरेस्ट

- विधानसभा में बोले असम सीएम

दिसपुर. असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि गायक जुबिन गर्ग की सिंगापुर में समुद्र में तैरते समय हुई मौत 'स्पष्ट तौर पर हत्या' का मामला है। गर्ग की मौत की परिस्थितियों की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मामले में हत्या की धाराएं भी जोड़ दी हैं।

शर्मा ने असम विधानसभा में गायक जुबिन गर्ग की मौत के मुद्दे पर चर्चा के लिए विपक्ष द्वारा लाए गए कार्य स्थगन प्रस्ताव के तहत चर्चा पर यह बात कही। कार्य स्थगन प्रस्ताव को मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के अनुरोध पर विधानसभा अध्यक्ष ने स्वीकार कर लिया था।

शर्मा ने कहा- प्रारंभिक जांच के बाद असम पुलिस को यकीन हो गया था कि यह गैर इरादतन हत्या का मामला नहीं है बल्कि यह स्पष्ट तौर पर हत्या है। उन्होंने कहा- इसीलिए, उनकी मौत के तीन दिन के भीतर ही मामले में बीएनएस की धारा 103 जोड़ दी गई।

उन्होंने बताया कि राज्य पुलिस की सीआईडी के तहत गठित एसआईटी ने अब तक इस मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया है, 252 गवाहों से पूछताछ की है और 29 वस्तुएं जब्त की हैं। शर्मा ने दावा किया कि एक आरोपी ने गर्ग की हत्या की और अन्य ने उसकी मदद की। हत्या के मामले में चार-पांच लोगों पर मामला दर्ज किया गया है।

सीएम ने विधानसभा को बताया कि मामले में अब तक सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें प्रमुख रूप से- श्यामकानु महंता, सिद्धार्थ शर्मा (जुबीन के मैनेजर), शेखर ज्योति गोस्वामी (बैंडमेट), अमृतप्रभा महंता (को-सिंगर), ये सभी वर्तमान में न्यायिक हिरासत में हैं। इसके अलावा, जुबीन के चचेरे भाई संदीपान गर्ग और उनके दो पीएसओ- नंदेश्वर बोरा और परेश बैश्य को भी गिरफ्तार किया गया है।

शादी की रस्मों के बीच सबके सामने दूल्हे ने दहेज के 21 लाख रुपये लौटाए

मुजफ्फरनगर. यूपी के मुजफ्फरनगर जिले में एक शादी उस समय चर्चा का केंद्र बन गई जब दूल्हे ने शादी की रस्मों के बीच सबके सामने दहेज के 21 लाख रुपये दुल्हन के घरवालों को लौटा दिए। इस अनोखी और सकारात्मक पहल से न केवल दुल्हन और उसका परिवार भावुक हो गया, बल्कि वहां मौजूद सभी लोग दूल्हे के इस फैसले की सराहना करते नहीं थक रहे।

जिले के गांव शाहबुद्दीनपुर निवासी अदिति सिंह की शादी रविवार को शहर के एक लग्जरी बैंक्वट हॉल में संपन्न हुई। खास बात यह रही कि दुल्हन के पिता का देहांत हो चुका है, इसलिए उनकी शादी मामा-नाना की देखरेख में हुई। वहीं दूल्हा अवधेश राणा पुत्र हरवीर सिंह, निवासी नगवा, तहसील बुढ़ाना ने शादी के बाद एक सराहनीय कदम उठाया। बारातियों और रिश्तेदारों के सामने उन्होंने दहेज में मिले पूरे 21 लाख रुपये नगद लौटा दिए।

दूल्हे अवधेश ने कहा कि मैंने शुरू से साफ कह दिया था कि दहेज नहीं लूंगा। यह पैसा अदिति के पिता की गाढ़ी कमाई था, जो अब उसकी मां और नाना ने इकट्ठा किया। यह उसका हक है, मेरा नहीं।

कैग के ऑडिट ऑफिसर ने एक रुपया नारियल लेकर पेश की मिसाल

सहारनपुर में युवाओं में बिना दहेज शादी का क्रेज बढ़ रहा है। इसकी ताजा मिसाल नानौता के भारी दीनदारपुर निवासी कैग के ऑडिट ऑफिसर रजनीश नागर ने अपनी शादी में एक रुपया नारियल लेकर पेश की है। नानौता के भारी दीनदारपुर गांव निवासी रणजीत सिंह का बड़ा बेटा रजनीश नागर कैग में ऑडिट ऑफिसर के पद पर नागपुर में तैनात है। दो दिन पूर्व उनकी शादी गाजियाबा निवासी भंवर सिंह की बेटी रेलवे में इंजीनियर मनीषा के साथ संपन्न हुई। शगुन के तौर पर रजनीकांत नागर ने वधु पक्ष की और से दहेज में मिले लाखों रूपये ससम्मान लौटाते हुए मात्र एक रुपया और नारियल लेकर परिवार का नाम रोशन किया है। रजनीश नागर ने कहा कि एक उच्च शिक्षित युवती से उसका विवाह होना ही उसके लिए सबसे बड़ा दहेज होगा। रजनीश की इस बात से उसके पिता रणजीत सिंह भी राजी थे। दामाद की दृढ़ इच्छा को भांपते हुए भंवर सिंह भी बगैर दहेज शादी के लिए राजी हो गए।

नीतीश कैबिनेट के 26 नए मंत्रियों को सरकारी बंगले अलॉट

पटना. बिहार सरकार के सभी नए 26 मंत्रियों को सरकारी बंगले आवंटित कर दिए हए हैं। जिसमें 13 पुराने और 13 नये मंत्री शामिल हैं। उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा, वित्त मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, विजय कुमार चौधरी, श्रवण कुमार, मंगल पांडेय, नितिन नवीन, अशोक चौधरी, लेसी सिंह, मदन सहनी, संतोष कुमार सुमन, सुनील कुमार और मो जमा खान को पुराना बंगला ही आवंटित हुआ है। 13 नये बने मंत्रियों में उद्योग मंत्री दिलीप कुमार जायसवाल को 2 स्ट्रैंड रोड का बंगला मिला है। यह बंगला नंदकिशोर यादव को आवंटित था। पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्री सुरेंद्र मेहता को 33 हार्डिंग रोड, आईटी एवं खेल मंत्री श्रेयसी सिंह को चार स्ट्रैंड रोड, श्रम संसाधन मंत्री संजय सिंह टाइगर को 41 हार्डिंग रोड, पर्यटन तथा कला संस्कृति मंत्री अरुण शंकर प्रसाद को 25 हार्डिंग रोड बंगला मिला है।

आम सूचना

मैं श्री दिलीप बालकृष्ण वेगुर्लेकर सभी को सूचित कर रहा हूं कि घर, चालता नं. 439, शीट नं. 20, बैरक नं. 1413 के सामने, कालिका कला मंडल, ओल्ड मटन मार्केट के पास, सेक्शन 32, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 41सीआय009307500) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती सविता लक्ष्मा खोबर्डेकर के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 21.2.2021 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री दिलीप बालकृष्ण वेगुर्लेकर

आम सूचना

मैं श्रीमती रामकुमारी हिंदेश्वर नारायण सिंह सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, ब्लॉक नं. ए-102 के पास, समता नगर नं. 1, कुर्ला कैम्प रोड, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 39डीओ020865600) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती मनिषा सतिष निकम के नाम पर है। मैंने श्री संजय बुद्धू सिंह पाटील से सेल एग्रीमेंट दि. 24.11.2025 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती रामकुमारी हिंदेश्वर नारायण सिंह

आम सूचना

इस आम सूचना द्वारा सभी को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल श्रीमती रविना मनोहर सुखवानी ने शॉप नं. 6, ग्राऊंड फ्लोर, साई श्रद्धा को.आप. हाउसिंग सोसायटी लि. रजि.नं. टीएनए/यूएलआर/एचएसजी/टीसी/7430/95-96. कंस्ट्रक्शन आन प्लाट नं. 3, सर्वे नं. 177-बी, हिस्सा नं. 1,2 9 पार्ट, शांतिनगर बस स्टैंड के पास, कल्याण अंबरनाथ रोड, उल्हासनगर- 421003. (प्रॉपर्टी नं. 29सीओ005361300) क्षेत्रफल 330 चौ.फुट सुपर बिल्टअप. इस प्रॉपर्टी के बिक्री का सौदा श्रीमती अंजली गोविंद फेरवानी के साथ किया है। अगर उपरोक्त प्रॉपर्टी के बारे में किसी हिस्से के लिए किसी भी व्यक्ति को मोरोसी हक, वास्ता जैसे कि बिक्री नामा, गिरवी नामा, बक्षीस नामा, वसीयत नामा व कब्जा इत्यादि अथवा किसी भी कोर्ट केस या संस्था/बैंक को देना ऐसी किसी किस्म की आपत्ति (ऐतराज) हो तो वह लेखी में पूरे सबूतों के साथ इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पत्ते पर अपनी आपत्ति सबूतों के साथ समय पर भेजे। अन्यथा दूसरी हालत में आम सूचना के समय पूरे होने के बाद उपरोक्त प्रॉपर्टी का सौदा कर पूरा कर दिया जाएगा उसके बाद कोई भी आपत्ति या दावा सुना नहीं जाएगा।

सही/-
एड. पिंकी बुधवानी
शॉप नं. 2, लासी हॉल के पास, हेमराज डेयरी रोड, उल्हासनगर-421001. मो. 7057805281

संक्षेप...

अस्पताल में मरीज के बैग से अचानक निकल आया सांप

ठाणे. ठाणे में मंगलवार को एक बड़ी ही हैरान कर देने वाली घटना सामने आई। ठाणे सिविल अस्पताल के महिला वार्ड में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक मरीज के बैग से अचानक एक सांप बाहर निकल आया। मरीजों और स्टाफ में अफरा-तफरी फैल गई। बाद में पता चला कि यह सांप एक 19 साल के युवक द्वारा लाया गया था, जिसे सांप पकड़ने का शौक था। जानकारी के मुताबिक, ठाणे का रहने वाला 19 वर्षीय ओमकार राठौड़ को पानी के पास खेलते हुए एक बिना जहर वाला धामन सांप दिखाई दिया। अपने अनुभव के भरोसे उसने सांप को उठा लिया। खेल-खेल में सांप ने उसके हाथ पर काट लिया। इसके बाद ओमकार सांप को लेकर सीधे ठाणे सिविल अस्पताल पहुंच गया। डॉक्टरों ने उसकी जांच की, लेकिन ओमकार ने सांप को छोड़ने से इनकार कर दिया।

राज ठाकरे को अपशब्द कहने पर भड़के मनसे कार्यकर्ता

ठाणे. मनसे के कार्यकर्ताओं ने पार्टी प्रमुख राज ठाकरे और पार्टी के अन्य नेताओं को कथित तौर पर अपशब्द कहने का वीडियो वायरल होने के बाद आरोपी एक ऑटोरिक्शा चालक को उठक-बैठक करने और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के लिए मजबूर किया गया। पुलिस ने बाद में मनसे के उप मंडल प्रमुख की शिकायत के आधार पर चितलसर पुलिस थाने में आरोपी ऑटो रिक्शा चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

दरअसल एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें मनसे कार्यकर्ता शैलेन्द्र यादव पर जबरन मराठी भाषा बोलने के लिए दबाव डालते है, जिसे शैलेन्द्र मना कर देता है। यही नहीं दोनों में बहस तेज हो जाती है, जिस पर वहां एक और ऑटो रिक्शा चालक राकेश यादव भी आ जाता है। इस दौरान रिक्षा चालक द्वारा मनसे प्रमुख राज ठाकरे के लिए भी टिप्पणी कर दी जाती है।

पब्लिक ट्रांसपोर्ट को प्राथमिकता दें

ठाणे में 18 लाख की आबादी पर 16 .5 लाख गाड़ियां

ठाणे. यह चिंता की बात है कि मुंबई की तरह ठाणे आने वाले समय में ट्रैफिक जाम वाले शहर के तौर पर जाना जाने लगा है। हालांकि सड़कों की खराब हालत और दूसरी वजहें इस जाम की वजह हैं, लेकिन ठाणे शहर में गाड़ियों की बढ़ती संख्या भी ट्रैफिक जाम की वजह बन रही है। करीब 18 लाख की आबादी वाले ठाणे में अभी 16.5 लाख गाड़ियां हैं यातायात पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाट कहना है कि लोगों को पब्लिक ट्रांसपोर्ट को प्राथमिकता देनी चाहिए।

मुंबई के बाद तेजी से डेवलप हो रहे ठाणे शहर की आबादी 18 लाख है। यहां ट्रांसपोर्टेशन के लिए 380 किलोमीटर से ज्यादा सड़कें हैं। इनमें ईस्टर्न एक्सप्रेसवे, मुंबई-नासिक नेशनल हाईवे और बिज़ी घोड़बंदर रोड शामिल हैं। ठाणे शहर के अंदर कई पुरानी सड़कें नाकाफी और पतली हैं। पार्किंग की सुविधा न होने की वजह से गाड़ियां मेन सड़कों पर पार्क की जाती हैं। इसके अलावा, काम पर जाने वाले मजदूर और बिजनेस के लिए शहर में आने वाली भारी कमर्शियल गाड़ियां भी सड़कों पर किसी भी खाली जगह पर घंटों पार्क की जाती हैं। पुराने ठाणे में पार्किंग की समस्या गंभीर है। इसलिए, मेन सड़कों पर ट्रैफिक जाम का असर शहर के अंदर के हिस्से पर भी पड़ता है। कई छोटी बिल्डिंग्स को फिर से बनाया जा रहा है और बड़े टावर बनाए जा रहे हैं। इसलिए, पिछले कुछ सालों में आबादी के साथ-साथ गाड़ियों की संख्या भी पांच गुना बढ़ गई है। ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन, मेट्रो वगैरह जैसी अलग-अलग अथॉरिटीज द्वारा शहर की दूसरी मेन सड़कों और घोड़बंदर रोड पर किए जा रहे डेवलपमेंट के कामों की वजह से अक्सर एक्सीडेंट और घटनाओं की वजह से ट्रैफिक अक्सर रुकता है। ऐसी सभी मुश्किलों का सामना करते हुए, ठाणे सिटी ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट मौजूद मैनपावर और ट्रैफिक वॉर्डन के साथ सड़कों पर बिना थके काम कर रहा है। हालांकि, गाड़ियों की बढ़ती संख्या की वजह से ट्रैफिक पुलिस को ट्रैफिक कंट्रोल करने में काफी मेहनत करनी पड़ रही है। ठाणे रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिस में रजिस्टर्ड गाड़ियों की संख्या को देखें तो पता चलता है कि ठाणे में एक व्यक्ति पर एक गाड़ी है। इसमें से ट्रांसपोर्ट गाड़ियों की संख्या 2 लाख 78 हज़ार और नॉन-ट्रांसपोर्ट गाड़ियों की संख्या 13 लाख 72 हज़ार 679 है। इस तरह गाड़ियों की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है और आज ठाणे में 16 लाख 51 हज़ार 384 गाड़ियां चल रही हैं। इन गाड़ियों के अलावा, कई गैर-कानूनी गाड़ियां भी हैं जो 15 साल से एक्सपायर हो चुकी हैं। इसलिए, सड़क की ठीक से सुविधा न होने और गाड़ियों की बढ़ती संख्या के कारण, यह डर है कि भविष्य में यह समस्या हमारे घरों तक पहुंच जाएगी।

ठाणे रीजनल ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के रिकॉर्ड के अनुसार शहर में गाड़ियां

- 'T' परमिट कैब - 39,658
- पिकअप टेम्पो - 1,38,162
- एम्बुलेंस - 1,112
- ऑटो रिक्शा - 89,047
- टू-व्हीलर - 10,42,307
- फोर-व्हीलर - 315,985

निजी वाहनों को इस्तेमाल कम करने की अपील

ठाणे पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत गाड़ियों की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। सड़कें और इंफ्रास्ट्रक्चर तुलना में काफी नहीं हैं। इस वजह से ट्रैफिक जाम के साथ-साथ धूल और एयर पॉल्यूशन की समस्या भी बढ़ रही है। इसलिए, अगर लोग अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में प्राइवेट गाड़ियों का इस्तेमाल कम करें और पब्लिक ट्रांसपोर्ट सर्विस का इस्तेमाल करें, तो यह समस्या कुछ हद तक कम हो जाएगी।

-पंकज शिरसाट, यातायात पुलिस उपायुक्त ठाणे शहर

देसाई खाड़ी पुल के नीचे सूटकेस में युवती की लाश

- हत्या की आशंका
- जांच में जुटी पुलिस

कल्याण. कल्याण-शीलफाटा रोड स्थित देसाई क्रीक ब्रिज के नीचे सोमवार दोपहर एक सूटकेस में 25–30 वर्षीय युवती की लाश मिलने से इलाके में सनसनी फ़ैल गयी. राहगीरों की सूचना पर मानपाड़ा पुलिस एवं कल्याण क्राइम ब्रांच की टीमें मौके पर पहुंच गईं. पुलिस ने हत्या की आशंका व्यक्त करते हुये कहा है कि किसी अन्य स्थान पर युवती की हत्या कर के शव को सूटकेस में भरकर रात के अंधेरे में क्रीक किनारे फेंका गया . युवती की पहचान के लिए ठाणे, मुंबई, कल्याण और डोंबिवली क्षेत्र की गुमशुदगी रिपोर्ट खंगाली जा रही है.

पलावा क्षेत्र उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी नेटवर्क से कवर है. जांच टीम इन कैमरों की फुटेज का बारीकी से विश्लेषण कर रही है. सीसीटीवी फुटेज से पता लगाया जाएगा कि किस वाहन ने रात में क्रीक के पास रुककर सूटकेस फेंका गया ? क्या वाहन चालक या किसी संदिग्ध की गतिविधि रिकॉर्ड हुई ? क्या शव को फेंकने से पहले किसी ने क्षेत्र की रैकी किया ?

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने इस मामले को संवेदनशील मानते हुए इसे प्राथमिकता दी है. पुलिस इसे महज़ हत्या नहीं, बल्कि सुनियोजित शव निस्तारण का मामला मानकर जांच आगे बढ़ा रही है. स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि इतनी भीड़भाड़ वाले पुल के नीचे सूटकेस में शव फेंका जा सकता है, तो यह सुरक्षा व्यवस्था के लिए बड़े खतरे का संकेत है. इस घटना ने पूरे शीलफाटा रोड पर निगरानी बढ़ाने की मांग को फिर से तेज कर दिया है.

तेज़ रफ़्तार कार ने ब्लॉगर का तोड़ा सपना

उल्हासनगर. उल्हासनगर के कैंप-3 के युवा सिंधी एक्टर और ब्लॉगर सुमित चेलानी की अंबरनाथ फ्लाईओवर पर हुए एक भयानक एक्सीडेंट में अचानक मौत ने पूरे इलाके को हिलाकर रख दिया है। सोशल मीडिया पर हमेशा जोशीले और पॉपुलर चेहरे के जाने से उनके परिवार, रिश्तेदारों और दोस्तों में दुख की लहर है।

शुक्रवार शाम करीब 6:30 बजे अंबरनाथ फ्लाईओवर पर हुए एक भयानक एक्सीडेंट में चार लोगों की मौत हो गई और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। एक्सीडेंट के बाद अंबरनाथ पुलिस ने टाटा नेक्सन कार के मृतक ड्राइवर लक्ष्मण शिंदे के खिलाफ केस दर्ज किया है।

मरने वालों में सिंधी एक्टर और युवा ब्लॉगर सुमित चेलानी (27)

शामिल हैं। कुछ समय पहले उन्होंने एक सिंधी फिल्म में भी काम किया था। शुक्रवार को जब वह अपनी बाइक से घर लौट रहा था, तो फ्लाईओवर पर उसे एक तेज़ रफ़्तार टाटा नेक्सन कार ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि सुमित की मौके पर ही मौत हो गई। कुछ ही पलों में सब कुछ खत्म हो गया।

उल्हासनगर में 'लोकतंत्र है, राजतंत्र नहीं!'

- रिक्शा ड्राइवर पर हमले को लेकर BJP ने शिंदे ग्रुप पर निशाना साधा

उल्हासनगर. उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव को लेकर यहां का राजनीतिक माहौल काफी गरमा गया है। हीराघाट इलाके में हाल ही में BJP में शामिल हुए एक रिक्शा ड्राइवर पर हमले के बाद BJP सड़कों पर उतर आई है और शिंदे ग्रुप पर निशाना साधा है। BJP ने 'उल्हासनगर में लोकतंत्र है, राजतंत्र नहीं!' और 'रिक्शा ड्राइवरों की इज्जत के लिए BJP मैदान में है!' जैसे नारे लगाकर इलाके में सनसनी फैला दी है। यह मार्च सिर्फ एक विरोध प्रदर्शन नहीं, बल्कि आने वाले चुनावों के लिए एक 'राजनीतिक बिगुल' है।

उल्हासनगर मनपा चुनाव के बैकग्राउंड में राजनीतिक तनाव बढ़ गया है, वहीं हीराघाट में हाल ही में BJP में शामिल हुए ग्रुप के एक्टिविस्ट योगेश पवार पर हमला किया गया। यह हमला शिंदे ग्रुप के लीडर राजेंद्र चौधरी के सपोर्टर्स ने किया। BJP का कहना है कि यह घटना पवार के चौधरी के खिलाफ काम करने के गुस्से में हुई। BJP डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट राजेश वढारिया ने साफ किया कि शुभांगी और पप्पू बहनवाल के BJP में शामिल होने के बाद उनके सपोर्टर्स को धमकियां बढ़ गई हैं। हम भी जुल्म का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस घटना से इलाके में गुस्से की लहर फैल गई है और पॉलिटिकल टेंशन बढ़ गया है।

BJP का मार्च

रविवार शाम को BJP डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट राजेश वढारिया और इलेक्शन कमिटी के प्रेसिडेंट प्रदीप रामचंदानी की लीडरशिप में हमले के विरोध में हीराघाट इलाके में एक मार्च निकाला गया। पूरे इलाके में 'रिक्शा वालों के सम्मान के लिए BJP मैदान में !' के नारे गूंज रहे थे। हमलावरों के खिलाफ सख्त एक्शन की मांग करते हुए मार्च करने वालों ने आरोप लगाया कि यह हमला सिर्फ पॉलिटिकल झगड़ा नहीं बल्कि डर और दहशत फैलाने की कोशिश है। मांग की गई है कि एडमिनिस्ट्रेशन इस तरह की गुंडागर्दी पर सख्ती से रोक लगाए और दोषियों को गिरफ्तार करे।

रवींद्र चव्हाण की पीड़ित परिवार से सीधी बातचीत

मार्च खत्म होने के बाद, BJP की एक टीम सीधे पीड़ित परिवार से मिली और उन्हें योगेश पवार की सुरक्षा और आगे की कानूनी कार्रवाई के बारे में पूरा सपोर्ट देने का भरोसा दिलाया। इस बीच, चुनाव समिति के चेयरमैन प्रदीप रामचंदानी ने BJP के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण से फोन पर बात की। प्रदेश अध्यक्ष चव्हाण ने खुद पीड़ित परिवार से बातचीत की और उन्हें भरोसा दिलाया कि जब तक इस मामले में न्याय नहीं मिल जाता, हम नहीं रुकेंगे। उल्हासनगर में राजशाही नहीं, बल्कि लोकतंत्र है।

5 करोड़ की चरस के साथ तस्कर गिरफ्तार

- थर्टी फ़र्स्ट की तैयारियों पर पुलिस की पैनी नजर

ठाणे. ठाणे शहर पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे के निर्देश पर पुलिस ठाणे एवं आस पास के इलाके में थर्टी फ़र्स्ट पर होने वाली पार्टियों की तैयारियों पर पुलिस की पैनी नज़र रख रही है. इसी के तहत ठाणे में नेपाल से नशीले पदार्थों की तस्करी का पर्दाफाश हुआ है. ठने शहर पुलिस की क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने पश्चिम बंगाल के रहने वाले शांवर अनवर अली को गिरफ़्तार कर उसके पास से पांच करोड़ रुपये मुल्य का उच्च गुणवत्ता वाली चरस बरामद की है. पुलिस आरोपी से पूछताछ मे इस बात का पता लगाने का प्रयास कर रही है, कि इस मामले मे और कितने लोग शामिल हैं.

ठाणे शहर पुलिस मुख्यालय में सोमवार को आयोजित पत्रकार परिषद में पुलिस उपायुक्त (अपराध) अमरसिंह जाधव ने बताया कि गोपनीय सूचना के आधार पर अपराध शाखा ने शनिवार को माजीवाड़ा इलाके में जाल बिछाया और आरोपी शांवर अनवर अली को संदिग्ध रुप से घूमते हुए देखा. उन्होंने बताया कि टीम ने जब उसे हिरासत में लेकर उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 5.05 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाली चरस बरामद हुई. जिसकी कीमत पांच करोड़ रुपये आंकी गयी है. आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत मे पेश किया गया जहां से उसे 26 नवंबर तक पुलिस रिमांड में भेज दिया गया.

पुलिस उपायुक्त जाधव ने बताया कि पुलिस इस सूचना की जांच कर रही है कि क्या कोलकाता के खिदिरपुर निवासी अली के नेपाल में मादक पदार्थ तस्करों से संबंध हैं? उन्होंने बताया कि अली पर स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है. इस कार्रवाई में क्राइम ब्रांच वागले इस्टेट के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सलिल भोसले ,सहायक पुलिस निरीक्षक भूषण शिंदे , जगदीश गावित सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं हमराही जवान शामिल थे.

मालेगांव की घटना के खिलाफ महिलाओं ने कैंडल मार्च निकाला

- आरोपियों को फांसी देने की मांग

उल्हासनगर. मालेगांव के एक गांव में 3 साल की बच्ची के साथ रेप और बेरहमी से हत्या की घिनौनी घटना के खिलाफ अंबरनाथ में कड़ा विरोध जताया गया है। इस अमानवीय कृत्य के खिलाफ महिलाओं ने अंबरनाथ ईस्ट के पालेगांव में विश्वनाथ चौक पर कैंडल मार्च निकाला। यह मार्च सोशल वर्कर वनिता वाघ के नेतृत्व में निकाला गया और महिलाओं ने आरोपियों को जल्द से जल्द मौत की सजा देने की मांग की है।

इसमें शामिल महिलाओं ने देश में रेप की बढ़ती घटनाओं पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने राज्य सरकार से महिलाओं की सुरक्षा के लिए सख्त और असरदार कदम उठाने की मांग की है। कुछ महिलाओं ने अपने विचार रखते हुए कहा कि महिलाएं स्कूल, कॉलेज या घरों में भी सुरक्षित नहीं हैं। हालांकि आरोपी को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है, लेकिन ऐसे हत्यारों को सख्त सजा न मिलने से महिलाओं में असुरक्षा की भावना दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है।

इस निंदनीय घटना का विरोध करते हुए महिलाओं ने सरकार से आरोपियों को मौत की सजा देने की मांग की। महिलाओं ने घर से बाहर निकलते समय भी डर महसूस किया। उन्होंने कहा कि आज जवान लड़कियों समेत सभी महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा गंभीर हो गया है। विजेयता गायकवाड़, विद्या राकेश कटवे, उर्मिला जगताप, अनीता खांडेकर, जान्हवी खांडेकर समेत इलाके की कई महिलाओं ने बड़ी संख्या में विरोध मार्च में हिस्सा लिया।

ठाणे में पुल की रेलिंग से टकराई कार, दो की मौत

ठाणे. नासिक-मुंबई राजमार्ग पर रविवार एक कार दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। शाहपुर पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि यह घटना अटगांव के पास हुई।

उन्होंने बताया, मयूरेश विनोद चौधरी (29), जयेश किसन शेंडे (25) और हर्षल पांडुरंग जाधव (29) हल्दी समारोह से कार से लौट रहे थे। चालक ने नियंत्रण खो दिया और वाहन पुल की रेलिंग से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का बायां हिस्सा टूट गया। मयूरेश और जयेश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि हर्षल गंभीर रूप से घायल होकर अस्पताल में भर्ती है।

आम सूचना

मैं श्रीमती ट्विंकल राकेश कुमार प्रसाद सभी को सूचित कर रही हूं कि गाला नं. 3, ग्राउंड फ्लोर + पहला माला, कंस्ट्रक्शन दल पोर्शन यू.नं. 3, शीट नं. 68, जय जनता कालोनी, बैरक नं. 1893 के पास, उल्हासनगर- 5. (टैक्स नं. 58डीआय012933200(पार्ट) उक्त प्रॉपर्टी श्री विनीत लाल बहादुर सिंह व श्री रामू प्रताप पाल के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 18.3.2019 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद में अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-

श्रीमती ट्विंकल राकेश कुमार प्रसाद

सेलिना जेटली ने पति पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाया

- 50 करोड़ रुपए का मुआवजा और बच्चों की कस्टडी मांगी
- 15 साल बाद शादी में आई दरार

बॉलीवुड एक्ट्रेस सेलिना जेटली ने अपने पति पीटर हाग के खिलाफ मुंबई की एक लोकल कोर्ट में डोमेस्टिक वायलेंस का केस किया है। सेलिना ने अपने पति पर इमोशनल, फिजिकल, सेक्सुअल अब्यूज जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। साथ ही उन्होंने 50 करोड़ रुपए की मुआवजे के साथ हर महीने 10 लाख रुपए का मेंटिनेंस मांगा है। 21 नवंबर को मुंबई की अदालत में याचिका दायर की गई थी। याचिका 24 नवंबर को ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट एस सी ताड़ये ने सुनवाई की, जिसके बाद ऑस्ट्रियाई बिजनेसमैन और होटल व्यवसायी पीटर को नोटिस जारी किया गया। अपनी याचिका में सेलिना ने कहा कि उनके 48 वर्षीय पति एक आत्ममुग्ध और सेल्फ-एब्जॉर्ब्ड इंसान हैं, जो उनके या उनके बच्चों के प्रति कोई सहानुभूति नहीं रखते हैं।

उन्होंने दावा किया कि उनके पति ने उन्हें इमोशनल, फिजिकल, सेक्सुअल और वर्बल अब्यूज किया है, जिसके कारण उन्हें ऑस्ट्रिया में अपना घर छोड़कर भारत लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा।

कानूनी फर्म करंजवाला एंड कंपनी की तरफ से फाइल की गई याचिका में एक्ट्रेस के लिए 10 लाख रुपए मासिक गुजारा भत्ता मांगा गया है। साथ ही अदालत से पीटर को उनके मुंबई स्थित घर में एंट्री करने से रोकने की मांग की गई है। एक्ट्रेस ने अपने तीन बच्चों की कस्टडी भी मांगी, जो फिलहाल ऑस्ट्रिया में पीटर के साथ रह रहे हैं।

उन्होंने कहा कि बच्चे होने के बाद पीटर ने अलग-अलग बहानों से उन्हें काम करने से रोक दिया। इससे उनकी फाइनेंशियल इंडिपेंडेंसी पर असर पड़ा और उनकी गरिमा छीनी।

अगर मेंटल स्ट्रेस बढ़ रहा है तो तुरंत मदद लें

- टेलीमैनस हेल्पलाइन 14416 लोगों के लिए 24×7 उपलब्ध

ठाणे. लोग स्ट्रेस, एंग्जायटी, डिप्रेशन, रिश्तों की दिक्कतें, एग्जाम का प्रेशर, पैसे का स्ट्रेस या याददाश्त की दिक्कतों जैसी इमोशनल चुनौतियों के बारे में खुलकर बात करने लगे हैं जो पॉजिटिव बदलाव के संकेत हैं। यह जागरूकता बढ़ रही है कि मेंटल हेल्थ ज़रूरी है और समय पर मदद लेना सेहतमंद रहने की दिशा में एक ज़रूरी कदम है। इस संदर्भ में, ज़िला परिषद, ठाणे के तहत हेल्थ डिपार्टमेंट ने लोगों से मेंटल हेल्थ के बारे में ज़्यादा जागरूक होने और ज़रूरत पड़ने पर तुरंत एक्सपर्ट की सलाह लेने की अपील की है। ज़िला सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार ने कहा कि आज की तेज़-तर्रार ज़िंदगी में मेंटल हेल्थ को नज़रअंदाज़ करने से कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। शुरुआती लक्षणों को पहचानकर और तुरंत मदद लेकर, डिप्रेशन, डर, स्ट्रेस और एंग्जायटी जैसी स्थितियों को सही समय पर कंट्रोल किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि मेंटल हेल्थ किसी भी व्यक्ति की पूरी हेल्थ का एक बहुत ज़रूरी पहलू है और इसे गंभीरता से देखना ज़रूरी है केंद्र सरकार की तरफ़ से दी गई 'टेली-मानस' टोल फ्री हेल्पलाइन 14416, आम लोगों के लिए 24×7 उपलब्ध है। ट्रेंड साइकेट्रिस्ट और काउंसलर इस नंबर पर तुरंत गाइडेंस देते हैं और नागरिकों को मेंटल स्ट्रेस से उबरने में मदद करते हैं। डिस्ट्रिक्ट हेल्थ ऑफिसर डॉ. गंगाधर परगे ने किसी भी तरह की मेंटल परेशानी के लिए बिना झिझक इस सर्विस का इस्तेमाल करने की अपील की है।

हेल्थ डिपार्टमेंट, ठाणे नागरिकों से अपील करता है कि मेंटल हेल्थ भी फिजिकल हेल्थ जितनी ही ज़रूरी है। अगर आप या आपके परिवार के सदस्य स्ट्रेस, एंग्जायटी, डिप्रेशन या इमोशनल परेशानी महसूस कर रहे हैं, तो मदद लेने में हिचकिचाएं नहीं। किसी भी मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम के लिए, तुरंत 14416 पर कॉन्टैक्ट करें और फ्री काउंसलिंग और गाइडेंस पाएं।

उल्हास वि NEWS LIVE
FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel Subscribe
मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगढ़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
सब पे नजर, सबकी खबर
Since 1985

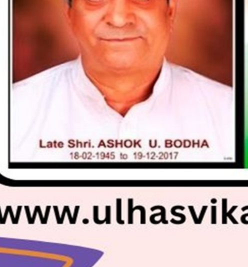

Late Shri. ASHOK U. BODHA
www.ulhasvikas.com
epaper.ulhasvikas.com
Chief Editor Hero Ashok Bodha
L.L.B., BMM, MA (PS)

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to the public at large informing that my client intending to purchase the property Block No. A-195 Room No. 390 bearing C.T.S. No. 23411 Ulhasnagar-4, Dist. Thane M.S. area admeasuring 269 Sq. Yards equivalent to 224.91 Sq. Meters equivalent to 2421 Sq. Ft. assessed under Municipal Ward No. 50, Property No. 50D1010814600 from LALITKUMAR MANGATRAM SUKHWANI.

If Any person or persons having claim against or in the above property by way of any arrangement, agreement, partnership, tenancy, inheritance, succession, trust, mortgage, lien, lease, charge, maintenance easement or Govt. Liability or GST Liability otherwise howsoever is hereby required to make the same known to me in writing with documentary proof at my following address within a period of 7 days from the date hereof, otherwise such claim or claims shall be considered waived and abandoned and my client shall be absolutely free to purchase the above said property by entering into Sale Deed/Agreement free from all encumbrances.

Ramesh T. Ramrakhiyani
B.com LLB
Advocate High Court
9, Roopmilan Society, Main Road,
Opp. Venus Talkies, Ulhasnagar-4
Mobile: 9320667400 / 9422667400

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक श्री हीरो अशोक बोधा ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. आर.एन.आई. नं. 43638/85 Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099